जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 82 प्रभात बीकानेर, मंगलवार 14 अक्टूबर, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

तेजस्वी यादव सोमवार देर शाम को पटना रवाना हो गए, अपनी दिल्ली यात्रा को सफल आंकते हुए

दिल्ली में मल्लिकार्जुन खड़गे, वेणुगोपाल, बिहार के प्रभारी कृष्णा अल्लावीरु से मुलाकात करके और सीटों के बँटवारे पर मोटा-मोटी सहमति प्राप्त करके

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- हालांकि, तेजस्वी की राहुल गांधी से रुबरु बातचीत नहीं हुई, किन्तु फोन पर आरजेडी व कांग्रेस के बीच सीटों के बँटवारे का फार्मूला तय हो गया।
- फार्मूले के अनुसार, कांग्रेस को इकसठ सीटें मिलेंगी जो अपने आप में काफी बड़ी उपलब्धि मानी जाती है, कांग्रेस के लिए। क्योंकि गत चुनाव में काँग्रेस को सत्तर सीटें मिली थीं और वह केवल सत्रह सीटें जीत पाई थी।
- आरजेडी ने कांग्रेस को इतना अधिक एडजस्ट इसलिए भी किया, क्योंकि राहुल, लालू, राबड़ी व तेजस्वी के साथ डटकर खड़े रहे, जब न्यायालय ने इन तीनों के खिलाफ आरोप फाइनल करने का निर्णय लिया।
- अब पटना में ही तेजस्वी को महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने की प्रक्रिया पूरी की जायेगी, क्योंकि तेजस्वी दिल्ली से पटना रवाना हो चुके हैं।

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। कांग्रेस और आरजेडी के बीच सीट बंटवारे पर सहमति बन गई है। तेजस्वी यादव सोमवार शाम पटना लौटे और सूत्रों के अनुसार, वे बातचीत से संतुष्ट और सकारात्मक मूड में हैं।

तेजस्वी यादव ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की और राहुल गांधी से फोन पर बातचीत की, क्योंकि दोनों नेताओं की आमने-सामने मुलाकात नहीं हो पाई। तेजस्वी ने कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल और बिहार के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु के साथ भी बैठक की, जिसमें दोनों दलों के बीच सीटों का मोटा-मोटी खाका तय हो गया।

एक वरिष्ठ नेता का कहना है कि कांग्रेस को इस समझौते में 61 सीटें मिली हैं, जो हर लिहाज से अच्छी और सम्मानजनक संख्या है। उन्होंने कहा कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मदन राठौड़ की पत्नी बीमार, हैलीकॉप्टर से जयपुर ले गये

पाली, 13 अक्टूबर (नि.सं.)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, पत्नी की तबीयत अचानक बिगड़ने पर हेलीकॉप्टर से पाली पहुंचे तथा न्यूरो फिजिशियन को दिखाने के लिए पत्नी को हेलीकॉप्टर से ही जयपुर लेकर गए। मदन राठौड़ के साथ में विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल भी थे।

पाली के बांगड़ हॉस्पिटल में जिला कलेक्टर एलएन मंत्री, एसपी आदर्श सिद्धू सहित, बड़ी संख्या में भाजपा के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष उन्हें जयपुर में न्यूरो फिज़िशियन को दिखायेंगे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ की पत्नी ऊषा राठौड़ का उपचार करने वाले बांगड़ हॉस्पिटल के डॉ प्रवीण गर्ग, राकेश सोनी, विकास गहलोत और सेवानिवृत्त प्रधान मैडिकल ऑफिसर की सलाह के बाद, उन्हें न्यूरो फिजिशियन को दिखाने के लिए जयपुर रैफर किया गया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ अपनी पत्नी को न्यूरो फिजिशियन को दिखाने के लिए हेलीकाप्टर से अपने साथ जयपुर के लिए लेकर रवाना हुए।

सीट शेयरिंग की घोषणा होते ही असंतोष फूट पड़ा एनडीए में

अमित शाह जल्दी ही पटना जाएंगे और सब कुछ ठीक करके ही लौटेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- पार्टी के अंतरंग सूत्रों ने कहा कि एनडीए में हालात बेहद विस्फोटक हैं भाजपा-जद (यू) नेतृत्व को आपात बैठक बुलानी पड़ रही है।
- भाजपा के केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने भाजपा के बिहार प्रभारी धर्मेन्द्र प्रधान पर प्रत्याशी चयन में भारी गड़बड़ी का आरोप लगाया। वहीं जद (यू) के वरिष्ठ मंत्री जय कुमार सिंह ने पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा व ललन कुमार सिंह पर टिकट बेचने का आरोप लगाया।
- विशेषज्ञों ने बताया कि दोनों दलों के कई नेता हैं, जिनके टिकट कटने जा रहे हैं और ये सभी निर्दलीय चुनाव लड़ने की धमकी दे रहे हैं।

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। रविवार को बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) द्वारा की गई सीट-बंटवारे की घोषणा के कुछ ही घंटों में एनडीए में उथल-पुथल मच गई। सत्ता पक्ष में अभूतपूर्व विद्रोह की लहर फैल गई। कई मौजूदा मंत्री और विधायक अपनी ही पार्टी नेतृत्व के खिलाफ खुलकर बगावत पर उतर आए। उनका आरोप है कि शीर्ष नेताओं ने विधानसभा चुनावों से पहले टिकट वितरण में भारी अन्याय किया और उनके राजनीतिक भविष्य को नष्ट कर दिया।

दिन की शुरुआत में एनडीए ने सीट बंटवारे का फार्मूला शानदार तरीके से घोषित किया था, ताकि सहयोगी दलों में एकता और समन्वय का संदेश दिया जा सके। लेकिन घोषणा के कुछ ही घंटों बाद एक के बाद एक हुई घटनाओं से हालात विस्फोटक हो गए, जिससे गठबंधन को अपनी उम्मीदवारों की अंतिम सूची स्थगित करनी पड़ी। पार्टी सूत्रों ने पुष्टि की कि सीट आवंटन को लेकर न केवल गठबंधन न केवल के भीतर बल्कि दलों के अंदर भी संघर्ष इतना बढ़ गया है कि स्थिति विभाजन की कगार पर पहुँच गई। इसने भाजपा और जेडीयू नेतृत्व को आपात समीक्षा बैठक बुलाने पर मजबूर कर दिया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अब एनडीए में ''बिग ब्रदर'' नहीं रहे नीतीश

संभावना है, अगर एनडीए जीता तो भी नीतीश को शायद मु.मंत्री न बनाया जाए

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- नीतीश की पार्टी जद (यू) और भाजपा 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। अब तक हमेशा से ही नीतीश की पार्टी जद (यू) को भाजपा से ज्यादा सीटें मिलती थीं, चाहे एक ही सीट अधिक क्यों न हो। शेष सीटें अन्य दलों को मिली हैं, इस लिहाज से भाजपा का पलड़ा भारी है।
- निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने इस पर बड़ी सटीक टिप्पणी की। उन्होंने कहा, नीतीश को मालूम होना चाहिए, जद (यू) की 101 सीटों की तुलना में भाजपा 130 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। लोजपा (चिराग गुट) की 29 सीटें भी भाजपा की ही मानी जानी चाहिए।

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। अगर राजनीति को धारणाओं का खेल कहा जाए, तो आज घोषित हुई एनडीए की सीट बंटवारे की व्यवस्था जेडीयू नेता और मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लिए नकारात्मक संदेश लेकर आई है, क्योंकि भाजपा और जेडीयू, दोनों ने 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा की 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है।

पिछले चुनावों में, जेडीयू ने हमेशा भाजपा से ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़े थे, जिससे कुमार का गठबंधन में 'बड़े भाई' वाला दर्जा कायम रहता था। अपने राजनीतिक जीवन के इस पतझड़ में उस दर्जे से वंचित होना उनके लिए एक झटका माना जा रहा है। सीटों के बँटवारे के इस घटनाक्रम को इस संकेत के रुप में भी देखा जा सकता है कि आगामी चुनावों में एनडीए की जीत होने पर भी नीतीश कुमार को शायद मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाए।

राजनीतिक विरोधियों ने पहले ही निशाना साधना शुरू कर दिया है। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा, ''नीतीश कुमार को समझ लेना चाहिए कि जेडीयू की 101 सीटों के मुकाबले, भाजपा असल में 130 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।'' जाहिर है, उनका इशारा चिराग पासवान की एलजेपी-आर को दी गई 29 सीटों की ओर था। याद दिला दें कि 2020 के चुनावों में, चिराग पासवान ने नीतीश की पार्टी के खिलाफ उम्मीदवार उतारकर जेडीयू को भारी नुकसान पहुंचाया था। एनडीए द्वारा घोषित समझौते के अनुसार, जीतन राम मांझी और उपेन्द्र कुशवाहा के दल छह-छह सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।

इधर, प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने भविष्यवाणी की है कि चुनावों के बाद जेडीयू के टूटने की पूरी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कम्पनी बंद

चेन्नई, 13 अक्टूबर। कोल्ड्रिफ कफ सीरप से हुई मौतों के बाद तमिलनाडु सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। कफ सीरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मासूटिकल कंपनी का लाइसेंस रद कर दिया गया है। यह कफ सीरप पीने से सिर्फ मध्य प्रदेश में ही 22 बच्चों की मौत हो चुकी है।

तमिलनाडु ड्रग्स कंट्रोल विभाग ने कंपनी के खिलाफ यह कड़ा कदम उठाया है। राज्य स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, जांच पूरी होने के बाद कंपनी को औपचारिक रूप से बंद कर दिया गया है। कोल्ड्रिफ कफ सीरप में अत्याधिक मात्रा में डायएथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) होने के संकेत मिले हैं। तमिलनाडु सरकार ने राज्य में दवाइयां बनाने वाली सारी कंपनियों को भी जांच करने के आदेश दिए हैं। वहीं, अदालत ने श्रीसन कंपनी के मालिक रंगनाथन को 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा है। 9 अक्टूबर को मध्य प्रदेश एसआईटी ने रंगनाथन को गिरफ्तार किया था।

- तमिलनाडु सरकार ने इस कम्पनी, श्रीसन फार्मास्युटिकल्स का लाइसेंस रद्द कर दिया है।

अमेरिका व चीन में ट्रेड वॉर और भीषण होने का लाभ सीधे भारत को हो रहा है

अमेरिका द्वारा चीन पर सौ प्रतिशत टैरिफ और लगाने से चीनी माल अमेरिका में बहुत महँगा हो गया

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- चीन पर एक सौ तीस प्रतिशत टैरिफ लगाये हैं ट्रंप ने और भारत पर पचास प्रतिशत। अब तक चीन छाया हुआ था अमेरिका में, खिलौनों, जूता-चप्पल व टैक्सटाइल प्रोडक्ट्स में।
- अब भारत के पास स्वर्णिम अवसर है चीन द्वारा छोड़े गए मैदान पर कब्जा करने का। ऐसी आशा की जा रही है कि अमेरिका से ऑर्डर की बाढ़ आएगी भारत के पास। अगर भारत के व्यापारी अपने प्रोडक्ट्स की गुणवत्ता व डिलीवरी स्टैंडर्ड्स को गिरने नहीं देते हैं तो भारत स्थाई लाभ लेने की पोज़ीशन में रहेगा।

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते व्यापार युद्ध के बीच, भारत सबसे बड़े लाभार्थियों में से एक बनकर उभर सकता है, क्योंकि अमेरिकी ख़रीददार किफायती और भरोसेमंद आपूर्तिकर्ताओं की तलाश में चीन से बाहर जाने को मजबूर हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने 1 नवंबर से सभी चीनी वस्तुओं पर 100 प्रतिशत का नया शुल्क लगाने की घोषणा की है, जो पहले से लागू 30 प्रतिशत शुल्क के ऊपर होगा। यानी अब अमेरिकी बाज़ार में प्रवेश करते समय चीनी उत्पादों पर कुल 130 प्रतिशत शुल्क लगेगा। इस भारी मूल्य सीमा ने भारतीय निर्यातकों के लिए एक सुनहरा अवसर खोल दिया है, क्योंकि भारत से आने वाले उत्पादों पर शुल्क कहीं कम है और वे पहले से ही अमेरिकी आयातकों के बीच वस्त्र, खिलौने, इलेक्ट्रॉनिक्स और अक्षय ऊर्जा उपकरण जैसे क्षेत्रों में लोकप्रियता हासिल कर रहे हैं।

भारत के लिए यह समय बेहद अनुकूल है। अमेरिका को होने वाला भारत का निर्यात पहले से ही 86.5 अरब अमेरिकी डॉलर का है, और अमेरिकी रिटेलर और निर्माता अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं के जोखिम को कम करने की कोशिश कर रहे हैं, ऐसे में यह बदलाव भारतीय व्यवसायों के लिए नए ऑर्डरों में तेज़ वृद्धि का कारण बन सकता है। भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (एफ.आई.ई.ओ.) के अध्यक्ष एस. सी. रल्हन ने कहा, ''चीन ने बाज़ार की जो हिस्सेदारी खोई है, उसे हासिल करने का भारत के लिए यह सुनहरा अवसर है, जो एक दशक में एक बार आता है।'' उन्होंने आगे कहा, हमारे वर्तमान 86 अरब डॉलर के निर्यात में तेज़ी से वृद्धि हो सकती है, क्योंकि अमेरिकी ख़रीददार अपने स्रोतों की रणनीतियों को फिर से तय कर रहे हैं।''

ट्रंप की यह घोषणा 9 अक्तूबर को चीन के उस फ़ैसले के बाद आई है, जिसमें उसने दुर्लभ धातुओं के निर्यात पर रोक लगाई थी। ये धातुएं इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहनों और अक्षय ऊर्जा उद्योगों के लिए बेहद ज़रूरी हैं। इसके जवाब में वाशिंगटन ने भी चीनी उत्पादों पर और ज़्यादा शुल्क लगाने और सॉफ़्टवेयर निर्यात नियंत्रण सख्त करने का निर्णय लिया है, जिससे यह व्यापारिक संघर्ष और तेज़ हो गया है। लेकिन जहाँ दुनिया इस कारण होने वाली आपूर्ति बाधाओं को लेकर चिंतित है, वहीं भारत इस स्थिति से उत्पन्न व्यापारिक बदलाव का लाभ उठा सकता है। अमेरिकी बाज़ार में चीनी वस्तुएं अब बहुत महंगी हो जाएंगी, जबकि भारतीय उत्पादों पर तुलनात्मक रूप से केवल 50 प्रतिशत शुल्क लगेगा। इससे भारतीय सामान अधिक प्रतिस्पर्धी बन जाएंगे। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्गठन को भी प्रेरित कर सकता है, जिसमें भारत मध्यम और उच्च मूल्य वाले मैनुफैक्चरिंग क्षेत्र में, जो अब तक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

करुर भगदड़ की जांच सीबीआई को

नयी दिल्ली, 13 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु के करूर में हुई भगदड़ की जांच केन्द्रीय जाँच ब्यूरो (सीबीआई) से कराने का सोमवार को आदेश दिया।

न्यायमूर्ति जे के माहेश्वरी और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने संबंधित आदेश पारित करते हुए शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी को इस जांच की निगरानी करने वाली समिति का प्रमुख नियुक्त किया। भगदड़ की जाँच के लिए विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित करने के मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर शीर्ष अदालत ने अपना यह फैसला सुनाया।

- सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से अभिनेता से नेता बने विजय को भारी झटका लगा है।

अभिनेता से नेता बने विजय के नेतृत्व वाली राजनीतिक पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) की 27 सितंबर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हमास ने बीस इज़रायली बंधकों को रिहा किया, इज़रायल ने दो हजार फिलिस्तीनी कैदियों को छोड़ा

यह असंभव सा दिखने वाला काम इतनी जल्दी पूरा हो जाएगा, किसी को उम्मीद नहीं थी, अतः हर दृष्टि से यह महान उपलब्धि है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- हालांकि, अभी पूर्ण शांति आने में कई बाधाएँ साफ दिख रही हैं, जैसे हमास से उनके हथियार छुड़वा देना।
- हमास ने अपने हथियार समर्पण करने से पूर्णतः इनकार कर दिया है, क्या इज़रायल इसको स्वीकार कर लेगा।
- इन मुद्दों को सुलझाने के लिए ट्रंप ने शांति वार्ता आयोजित की है, शर्म-अल-शेख में, जिसमें बीस देश भाग ले रहे हैं।
- शांति वार्ता का दौर लंबा और कठिन होगा, पर, अभी तो गाज़ा में बंदूकें शांत हो गईं, यह अपने आप में भारी खुशखबरी है।

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। सभी जीवित 20 इज़रायली बंधकों को हमास ने रिहा कर दिया है। यह कदम इज़रायल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष को समाप्त करने की योजना के पहले चरण के रूप में उठाया गया है। इसके बदले में इज़रायल ने 2000 गिरफ्तार फ़िलिस्तीनियों को रिहा किया।

बंधकों और कैदियों की रिहाई दोनों तरफ़ बेहद भावनात्मक रही, एक ओर फ़िलिस्तीनियों ने अपने लोगों ज़ोरदार स्वागत किया, तो दूसरी ओर इज़रायली बंधकों का भी अपने परिवारों से भावनात्मक पुनर्मिलन हुआ।

दुर्भाग्य से, एकमात्र भारतीय हिंदू बंधक बिपिन जोशी इस चरण में हमास द्वारा रिहा किए गए लोगों में शामिल नहीं थे।

इज़रायल का कहना है कि अब हमास के पास कोई भी जीवित बंधक नहीं बचा है।

जबसे हमास के लड़ाकों ने हमला कर निर्दोष इज़रायलियों की हत्या की थी और फिर उनमें से कई को उनके घरों और आसपास के इलाकों से अगवा किया था, तबसे इज़रायल ने हमास और उसके कार्यकर्ताओं के ख़िलाफ़ कठोर सैन्य अभियान शुरू कर रखा था। लेकिन इस संघर्ष के बीच सबसे ज्यादा पीड़ा गाज़ा के आम नागरिकों को झेलनी पड़ी।

इस संघर्ष में लगभग 60,000 सामान्य गाज़ावासी नागरिक मारे गए। हमास ने चार बंधकों के शव भी लौटा दिए हैं। इन शवों के सौंपने की प्रक्रिया बेहद दुखद और शोकपूर्ण रही।

बंधकों और कैदियों की इस आपसी रिहाई के बाद, इस शांति योजना के मुख्य सूत्रधार डॉनल्ड ट्रंप ने इज़रायली संसद को संबोधित करते हुए घोषणा की कि गाज़ा में युद्ध अब समाप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि यह लंबा चला टकराव अब खत्म हो गया है।

हालाँकि, यह शांति प्रक्रिया का यह पहला नतीजा है, अब भी कई कठिन और जटिल मुद्दे बाकी हैं, जिनका समाधान किया जाना है। इनमें सबसे बड़ा और प्रमुख मुद्दा होगा हमास के लड़ाकों को निशस्त्र करना।

लेकिन हमास ने अपने हथियार डालने से इनकार कर दिया है। अब देखना यह होगा कि इज़रायल और अमेरिका इस पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमास के हथियार डलवाने का वादा किया था।

अगला मुश्किल कदम होगा गाज़ा के प्रशासन के लिए ऐसी व्यवस्था तैयार करना जो हमास से स्वतंत्र हो। शांति समझौते की एक शर्त यह थी कि हमास अब गाज़ा में नहीं रहेगा। लेकिन यह बात कुछ कमज़ोर नज़र आ रही है। ऐसी रिपोर्टें हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप अब पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर को इस प्रक्रिया में शामिल करने के विचार से पीछे हट गए हैं।

इन सभी अनिश्चितताओं के बावजूद, इतनी जल्दी युद्धिवराम होना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। गाज़ा में बंदूकों की आवाज़ें अब थम चुकी हैं।

इन मुद्दों के समाधान के लिए ट्रंप ने युद्धिवराम के तुरंत बाद एक शांति सम्मेलन का प्रस्ताव रखा। मिस्र के शर्म अल शेख शहर में डॉनल्ड ट्रंप की अध्यक्षता में होने वाली इस शांति वार्ता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तीन विद्वानों को अर्थशास्त्र का नोबेल

स्टॉकहोम, 13 अक्टूबर। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने सोमवार को साल 2025 के लिए अर्थशास्त्र का नोबेल सम्मान जोएल मोकिर,फिलिप अघियन और पीटर होविट को देने की घोषणा की।

अकादमी ने इन अर्थशास्त्रियों के नामों की घोषणा करते हुए कहा'' मोकिर ने हमें यह बताया कि कैसे नवाचार प्रगति के लिए प्रेरणा प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि प्रौद्योगिकी तेज़ी से आगे बढ़ ती है और हम सभी को प्रभावित करती है। नए उत्पाद और उत्पादन विधियाँ पुराने उत्पादों और उत्पादन विधियों का स्थान ले लेती हैं। इस प्रकार निरंतर आर्थिक विकास चलता रहता है।

- ये तीनों हैं जोएल मोकिर, फिलिप अघियन और पीटर होविट।

जोएल मोकिर एक डच मूल के अमेरिकी-इज़रायली आर्थिक इतिहासकार हैं, जिनका जन्म नीदरलैंड के लीडेन में एक यहूदी परिवार में हुआ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

उपदेश के बजाय कहीं ज्यादा हम करके सीखते हैं। –बर्क

विश्वसनीयता खोता चुनाव आयोग

भारतीय संविधान के अनुसार देश में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की है। इसीलिए, इसे संवैधानिक दर्जा दिया गया है और सरकार के अधीन नहीं रखा गया है। उल्लेखनीय है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान सरकार के सारे अधिकारी/कर्मचारी भी निर्वाचन आयोग के नियंत्रण में आ जाते हैं। सामान्यतया चुनाव आयोग ने अपनी निष्पक्षता को बनाए रखा है। यदा-कदा, चुनाव आयोग से सत्ताधारी दल के पक्ष में निर्णय लेने के आरोप अवश्य लगे हैं।

इस प्रकार के आरोप दो परिस्थितियों में अधिक लगे हैं ।

पहला, आदर्श आचार संहिता की सत्ता धारी दल के नेताओं द्वारा अवहेलना करने पर, चुनाव आयोग ने नरमी दिखाई, जबकि इसी प्रकार का उल्लंघन विपक्षी दलों द्वारा किए जाने पर निर्वाचन आयोग ने पूरी सख्ती के साथ विपक्षी दलों के नेताओं के विरुद्ध कार्यवाही की है।

दूसरा, निर्वाचन आयोग द्वारा लोकसभा या विधानसभाओं के चुनाव के लिए तारीख तय करने की अधिसूचना जारी करते समय। देखा गया है कि चुनाव की अधिसूचना इस प्रकार जारी की जाती है कि सरकार को लोक लुभावनी घोषणाएं करने का पर्याप्त अवसर मिल जाए। हाल के कुछ वर्षों में इस प्रकार के आरोपों की संख्या में वृद्धि अवश्य हुई है। सत्ताधारी दल के नेताओं पर आचरण संहिता का उल्लंघन करने के संबंध में कार्रवाई करने के प्रश्न पर में चुनाव आयुक्तों में भी मतभेद हुए। ऐसे ही एक प्रसंग में तत्कालीन चुनाव आयुक्त अशोक लवासा द्वारा अपनी असहमति व्यक्त करने के कारण उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति से इस धारणा को बल मिला कि चुनाव आयोग सत्ताधारी दल के इशारे पर काम कर रहा है।

इस परिप्रेक्ष्य और पृष्ठभूमि में चुनाव आयोग ने बिहार की मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) की घोषणा 25 जून 2025 को की। घोषणा के साथ ही बिहार की मतदाता सूचियां के विशेष गहन परीक्षण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया। यह उल्लेखनीय है कि बिहार में चुनाव नवंबर 2025 में संभावित थे। समय की अत्यधिक कमी, बाढ़ की स्थिति और एस आई आर की वैधानिकता को लेकर कई राजनीतिक दलों, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक राइट्स तथा चुनाव विश्लेषक योगेंद्र यादव ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिकाएं दायर कीं ।

सुप्रीम कोर्ट में अनेक बार सुनवाई हुई और हर बार किसी-न-किसी बहाने से चुनाव आयोग तिथि बदलवाने में सफल रहा । सर्वोच्च न्यायालय द्वारा किसी प्रकार का स्थगन एस आई आर पर नहीं देने के कारण निर्वाचन आयोग द्वारा एस आई आर की प्रक्रिया 25 जून से निरंतर चलती रही। कई स्वतंत्र पत्रकारो एवं टीवी संवाददाताओं द्वारा यह निरंतर दिखाया गया कि किस प्रकार बी एल ओ अपने ही स्तर पर मतदाताओं के हस्ताक्षर करके मतदाता सूची में नाम अंकन करने के लिए फॉर्म भर रहे थे। इनकी कोई रसीद भी मतदाताओं को नहीं दी जा रही थी। इन सबके प्रमाण सर्वोच्च न्यायालय में प्रस्तुत करने पर भी न्यायालय ने किसी प्रकार का स्थगन नहीं दिया। केवल यह निर्देश दिया कि चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित 11 दस्तावेजों के साथ ही 'आधार' को भी मान्य दस्तावेज के रूप में स्वीकार करने पर विचार किया जाए। 31 जुलाई को ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी की गई जिसमें लगभग 65 लाख मतदाताओं के नाम कट गए थे।

निर्वाचन आयोग के 25 जून के निर्देशों के अनुसार बिहार के सभी मतदाताओं को एक फॉर्म भरकर देना था। 2003 की मतदाता सूची में जिनके नाम नहीं थे उन्हें तो अपने एवं माता-पिता के भारत के नागरिक होने का प्रमाण भी देना था। इसके लिए निर्वाचन आयोग ने 11 दस्तावेजों की एक सूची प्रकाशित की, जिसमें न तो वोटर आईडी कार्ड सम्मिलित था, न ही आधार कार्ड। निर्वाचन आयोग ने एस आई आर के पीछे जो मुख्य कारण बताए, उनमें अवैध रूप से भारत में रह रहे मतदाता सूची में शामिल लोगों के नाम हटाना एवं सभी भारतीय नागरिकों के नाम को मतदाता सूची में सम्मिलित करना था ।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश गुप्ता ने एस आई आर को मतदाता सूचियां के 'शुद्धिकरण' का नाम दिया। तीन माह में एस आई आर की प्रक्रिया को बिहार में जिस प्रकार निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित किया गया, उसको देखकर तो केवल यही कहा जा सकता है कि निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण करने के बजाय इसका 'अशुद्धिकरण' कर दिया है। निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश गुप्ता के अनुसार एस आई आर का मुख्य उद्देश्य घुसपैठियों को मतदाता सूची से बाहर करना था।आज तक आयोग यह नहीं बता पाया कि जिन व्यक्तियों के नाम हटाए गए उनमें से कितने घुसपैठिए थे?

कई ऐसे लोगों के नाम अवश्य हटा दिए गए जो वैध रूप से भारत के नागरिक थे और कई वर्षों से मतदान में हिस्सा ले रहे थे। एक बार सुप्रीम कोर्ट ने अपनी सुनवाई में यहां तक कहा था कि यदि एक भी मामला हमें गलत मिला तो हम पूरी एस आई आर की प्रक्रिया को ही रद्द कर देंगे। आगामी सुनवाई की तिथि पर योगेंद्र यादव ने 16 ऐसे व्यक्तियों को माननीय सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों के सम्मुख प्रस्तुत कर दिया जिन्हें मृत बनाकर उनके नाम काट दिए गए थे किंतु वे जीवित थे। इसी आधार पर, सुप्रीम कोर्ट चाहता तो एस आई आर की प्रक्रिया को रद्द कर सकता था, किंतु ऐसा नहीं किया गया।

पहली बार इस एस आई आर में नागरिकता सिद्ध करने की जिम्मेदारी मतदाताओं पर डाल दी गई ।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश गुप्ता ने एस आई आर को मतदाता सूचियां के 'शुद्धिकरण' का नाम दिया। तीन माह में एस आई आर की प्रक्रिया को बिहार में जिस प्रकार निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित किया गया, उसको देखकर तो केवल यही कहा जा सकता है कि निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूचियों का शुद्धिकरण करने के बजाय इसका 'अशुद्धिकरण' कर दिया है।

मजेदार बात यह है कि भारत में किसी भी व्यक्ति के पास अपनी नागरिकता सिद्ध करने का कोई प्रमाण नहीं है। निर्वाचन आयोग ने जो 11 दस्तावेज मान्य किए, उन्हें किस प्रकार से नागरिकता के प्रमाण के रूप में निर्वाचन आयोग ने मान लिया, इसका कोई स्पष्ट उत्तर निर्वाचन आयोग, सर्वोच्च न्यायालय में नहीं दे पाया। याचिका कर्ताओं ने 'आधार' को 11 दस्तावेजों के साथ ही 12 वें दस्तावेज के रूप में मान्य करने की मांग की। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट द्वारा स्पष्ट निर्देशों के अभाव में निर्वाचन आयोग ने आधार को केवल उन 65 लाख मतदाताओं के बारे में मान्य किया जिनके नाम ड्राफ्ट सूची में हटा दिए गए थे । इसके अलावा लगभग 7 करोड़ अन्य मतदाताओं के लिए आधार को मान्य दस्तावेज माना अथवा नहीं, इस बारे में कोई चुनाव आयोग ने स्थिति स्पष्ट नहीं की।

कई ऐसे लोगों के नाम भी मतदाता सूचियां में शामिल हो गए जिनका नाम-पता स्पष्ट नहीं था। उनके नाम किस प्रकार सम्मिलित किए गए इसका भी कोई आधार स्पष्ट नहीं किया गया।

शायद यह इसलिए किया गया कि निर्वाचन आयोग को आशंका हुई कि यदि निर्धारित 11 दस्तावेजों में से किसी एक के आधार पर ही मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल किए गए, तो कुल मतदाताओं की संख्या 8 करोड़ से घटकर लगभग 6 करोड़ रह सकती थी। इस कारण अनौपचारिक रूप से, बीएलओ को आपाधापी में सभी नामों को सम्मिलित करने का एक प्रकार से अलिखित आदेश दे दिया गया। इसका परिणाम बीएलओ द्वारा की गई मनमानी के रूप में सामने आया। यह मनमानी, स्पष्ट है कि, सत्ताधारी दल के प्रभाव में ही की गई होगी।

ऐसे वीडियो सामने आए हैं जिनसे पता चलता है कि एक ही बी एल ओ द्वारा अनेक व्यक्तियों की तरफ से हस्ताक्षर करके नाम जुड़वाने के लिए प्रार्थना पत्र दे दिए गए और ऐसे नाम जुड़ भी गए। अजीत अंजुम जैसे पत्रकारों ने तो ऐसे कई वीडियो प्रक्रिया के आरंभिक दौर में ही प्रसारित कर दिए थे। चुनाव आयोग के अनुसार ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशन से पहले ही 99.2% व्यक्तियों ने अपने फॉर्म भर कर दे दिए थे। बाढ़ के दौरान कैसे इतने लोगों के फॉर्म आ गए ,यह आश्चर्यजनक है क्योंकि बिहार के लाखों लोग अन्य राज्यों में मजदूरी हेतु जाते हैं और शिक्षा का स्तर भी देश में सबसे कम है। अतः यह आशंका निर्मूल नहीं है कि कई ऐसे व्यक्तियों के नाम जुड़ गए हैं जो मतदाता बनने के पात्र नहीं थे । एक अनुमान के अनुसार लगभग 40% व्यक्तियों ने ही 11 में से कोई एक दस्तावेज अपने फार्म के साथ जमा कराया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद अब तक चुनाव आयोग ने उन लोगों की सूची सार्वजनिक नहीं की है जिनके नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं। नाम काटने के कारण भी नहीं बताए हैं।। यह भी उल्लेखनीय है कि लगभग 4 लाख ऐसे लोगों के नाम सम्मिलित हैं जिनके न तो पते स्पष्ट हैं और न ही नाम ।

यदि सुप्रीम कोर्ट पहली तिथि पर ही यह स्पष्ट रूप से निर्देश दे देता कि नागरिकता को जांचने का अधिकार चुनाव आयोग का नहीं है और 11 दस्तावेजों के आधार पर नागरिकता सिद्ध नहीं होती है, तो एस आई आर की प्रक्रिया तब ही रद्द कर दी जाती। यह पहली बार हो रहा है कि प्रत्येक उस मतदाता को भी फॉर्म भरकर देने की आवश्यकता पड़ रही है जिसने कई बार मतदान किया है।

बिहार की संभावित 8.28 करोड़ वयस्क जनसंख्या की तुलना में 7.42 करोड़ व्यक्तियों के नाम ही अंतिम मतदाता सूची में निर्वाचन आयोग द्वारा प्रकाशित किए गए हैं। यह संभव है कि लाखों ऐसे लोगों के नाम छूट गए हों जिनके नाम इसमें होने चाहिए थे और इसी प्रकार से लाखों ऐसे लोगों के नाम जुड़ गए हों जिनके नाम नहीं होने चाहिए थे, क्योंकि सारा काम अत्यंत जल्दबाजी में किया गया।

सुप्रीम कोर्ट ने कोई स्पष्ट निर्णय नहीं दिया और प्रक्रिया को जारी रखने दिया। अब सुप्रीम कोर्ट अगली तिथि पर शायद यही कहेगा कि चुनाव की घोषणा हो चुकी है तिथियां निर्धारित हो चुकी हैं, मतदाता सूची अंतिम हो चुकी है, अतः इसमें अब किसी प्रकार का दखल देना संभव नहीं है। क्या इस प्रकार की स्थिति न्याय और निष्पक्षता की दृष्टि से सही कही जा सकती है? पहले तो आप समय पर निर्णय न करें और बाद में यह कह दें कि अब बहुत विलंब हो गया है और कुछ नहीं किया जा सकता।

यदि वास्तव में निर्वाचन आयोग ने भारतीय मतदाताओं की नागरिकता जांच के पश्चात उनके नाम मतदाता सूची में शामिल किए हैं, तो क्या भारत सरकार यह स्पष्ट करेगी कि जिन व्यक्तियों के नाम मतदाता सूचियों में है उन सबको भारतीय मान लिया जाएगा और उसके आधार पर उन्हें भारतीय नागरिक को मिलने वाली सभी सुविधाएं प्रदान कर दी जाएंगी? क्या जिन व्यक्तियों के नाम मतदाता सूची में नहीं हैं, वे भारतीय नागरिक नहीं माने जाएंगे एवं क्या उन्हें भारतीय नागरिक को मिलने वाली सभी सरकारी सुविधाओं और अधिकारों से वंचित कर दिया जाएगा? जब तक इस प्रश्न का उत्तर चुनाव आयोग और भारत सरकार द्वारा नहीं दिया जाएगा तब तक एस आई आर के उद्देश्य और इसकी परिणति पर शंका के बादल मंडराते रहेंगे।जनता को यही लगेगा कि मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के नाम पर की गई कवायद ने मतदाता सूचियां के 'अशुद्धिकरण' का ही काम किया है।

निर्वाचन आयोग को अपने हर गलत काम का बचाव करने के स्थान पर एक खुला दृष्टिकोण अपनाना चाहिए था और अपनी गलतियों को स्वीकार करते हुए अपने निर्देशों में परिवर्तन करना चाहिए था। ऐसा नहीं करने से ही इस धारणा को बल मिला कि निर्वाचन आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष रूप से नहीं, अपितु सत्ताधारी दल के राजनीतिक लाभ के लिए सभी निर्णय ले रहा है। यह स्थिति लोकतंत्र के मूल स्वरूप पर आघात करने वाली होगी क्योंकि देश में निष्पक्ष चुनाव की प्रथम आवश्यकता मतदाता सूचियों का होना है। देखते हैं, आगामी तिथि पर सर्वोच्च न्यायालय क्या निर्णय लेता है? लगता तो ऐसा ही है कि योगेंद्र यादव, विभिन्न वकीलों के तर्कं का हश्र वैसा ही हुआ जैसे "भैंस के आगे बीन बजाना"। निर्वाचन आयोग को यदि अपनी पुरानी छवि को पुनः प्राप्त करना है तो उसे खुले मन से चर्चा हेतु तैयार रहना होगा और निष्पक्षता का पूरी तरह सार्वजनिक प्रदर्शन भी करना होगा। यदि ऐसा कर पाया तो निर्वाचन आयोग अपनी खोई हुई विश्वसनीयता को पुनः प्राप्त करने में सफल हो पाएगा।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

राजस्थान के विश्वविद्यालयों का वित्तीय संकट: कारण, प्रभाव और समाधान

अशोक कुमार

राजस्थान के विश्वविद्यालयों के वित्तीय संकट का विश्लेषण करने के लिए, हमें इसकी आय और व्यय दोनों को समझना होगा, साथ ही उन चुनौतियों पर भी गौर करना होगा जो इसे एक स्थायी वित्तीय संकट की ओर धकेल रही हैं।

राजस्थान विश्वविद्यालय की आय के मुख्य स्त्रोत हैं:–

छात्र शुल्क : यह विश्वविद्यालय की आय का एक बड़ा हिस्सा होता है। हालांकि, सरकारी नीतियों के कारण, कुछ वर्गों के छात्रों को फीस में छूट मिलती है, जिससे विश्वविद्यालय की आय प्रभावित होती है। विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के बाद से ही राज्य सरकार पर निर्भर रहा है। हालांकि, पिछले कुछ सालों में सरकार द्वारा मिलने वाला अनुदान स्थिर रहा है या कम हुआ है, जबकि विश्वविद्यालय के खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। इसके अलावा, कुछ आय संपत्ति से ब्याज, किराये, विभिन्न परीक्षाओं से परीक्षा शुल्क, महाविद्यालयों के संबंधता और अनुसंधान परियोजनाओं से आती है।

विश्वविद्यालय के खर्चों को देखें तो इसमें कई महत्वपूर्ण मदें हैं, जो वित्तीय बोझ बढ़ाती हैं:–

कर्मचारियों का वेतन और पेंशन : यह विश्वविद्यालय के कुल व्यय का सबसे बड़ा हिस्सा है। नए वेतन आयोग की सिफारिशों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों की बढ़ती संख्या के कारण, यह खर्च लगातार बढ़ रहा है।

अनुसंधान और शिक्षण सामग्री : गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व अनुसंधान के लिए आधुनिक उपकरण, प्रयोगशालाएं और पुस्तकालय की आवश्यकता होती है, जिसके लिए पर्याप्त धन की कमी है। विश्वविद्यालय के पुराने भवनों की मरम्मत और नई सुविधाओं के निर्माण के लिए भी बड़ी राशि की आवश्यकता होती है।

वित्तीय दुर्दशा के प्रमुख कारण

सरकारी नीतियों का प्रभाव: राजस्थान सरकार द्वारा विश्वविद्यालय की विभिन्न स्त्रोतों से मिली आय का 25 प्रतिशत आय काटा जाना और वंचित वर्ग के छात्रों की फीस का बोझ विश्वविद्यालय पर डालना वित्तीय संकट का एक मुख्य कारण है। यदि यह पैसा विश्वविद्यालय को वापस मिल जाए तो इसकी आय में महत्वपूर्ण वृद्धि हो सकती है। केंद्र और राज्य सरकारों से मिलने वाले अनुदान में अपेक्षित वृद्धि नहीं हुई है, जबकि महंगाई और कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी के कारण खर्चों में लगातार वृद्धि हो रही है। अन्य विश्वविद्यालयों की तरह, राजस्थान विश्वविद्यालय में निजी स्व-वित्तपोषण महाविद्यालयों की संख्या मे कमी और स्व-वित्तपोषण पाठ्यक्रमों की संख्या बहुत कम है, जो आय के नए रास्ते खोल सकते थे। कर्मचारियों की बढ़ती संख्या और पेंशन का बढ़ता बोझ विश्वविद्यालय के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है।

राजस्थान में कई सरकारी विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों और शिक्षकों को समय पर पेंशन नहीं मिल रही है। यह वित्तीय बोझ विश्वविद्यालयों पर है, और उनकी आर्थिक स्थिति पहले से ही खराब होने के कारण वे पेंशन का भुगतान करने में असमर्थ हैं। जोधपुर के जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जैसे कई संस्थानों में पेंशनर्स को महीनों तक पेंशन का इंतजार करना पड़ता है, जिसके विरोध में वे लगातार आंदोलन भी कर रहे हैं। कर्मचारी संघों की मुख्य मांग यही है कि पेंशन का पूरा दायित्व राज्य सरकार को उठाना चाहिए, क्योंकि वे राज्य के ही कर्मचारी हैं।

बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में, सरकारें नियमित रूप से विश्वविद्यालयों को वेतन और पेंशन के भुगतान के लिए सीधे तौर पर करोड़ों रुपये का अनुदान देती हैं। ये सरकारें विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन के लिए पूर्ण वित्तीय जिम्मेदारी लेती हैं।

क्यों सरकार को यह दायित्व उठाना चाहिए?

सामाजिक सुरक्षा का दायित्व: पेंशन कर्मचारियों की जीवन भर की सेवा का प्रतिफल है और यह उनकी सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करती है। यह सरकार का नैतिक और संवैधानिक दायित्व है कि वह अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए आवश्यक पेंशन प्रदान करे।

समानता का सिद्धांत: जब राज्य सरकार अन्य विभागों के कर्मचारियों (जैसे पुलिस, शिक्षा विभाग, आदि) को सीधे पेंशन देती है, तो विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों के साथ भी यही नीति लागू होनी चाहिए। पेंशन नीतियों में यह दोहरा मापदंड कर्मचारियों के बीच असंतोष पैदा करता है।

विश्वविद्यालयों पर वित्तीय बोझ कम करना: यदि सरकार पेंशन का भुगतान करती है, तो विश्वविद्यालयों पर पड़ने वाला एक बड़ा वित्तीय बोझ कम हो जाएगा। इससे विश्वविद्यालय अपनी आय का उपयोग छात्रों के लिए बेहतर बुनियादी ढाँचा, अनुसंधान और शैक्षिक सुविधाओं को बेहतर बनाने में कर सकेंगे, जैसा कि आपने पहले उल्लेख किया था।

राज्य की प्रतिष्ठा: जब सेवानिवृत्त शिक्षक और कर्मचारी पेंशन के लिए सड़कों पर प्रदर्शन करते हैं, तो इससे राज्य की प्रतिष्ठा पर बुरा असर पड़ता है। सरकार का यह कदम न केवल कर्मचारियों को राहत देगा, बल्कि राज्य की छवि को भी सुधारेगा।

समाधान की राह: सरकार को विश्वविद्यालय की 25 प्रतिशत आय में कटौती बंद करनी चाहिए और वंचित वर्ग के छात्रों की फीस सीधे विश्वविद्यालय को देनी चाहिए, जैसा कि उत्तर प्रदेश सरकार करती है। विश्वविद्यालय को अपनी आय बढ़ाने के लिए स्व-वित्तपोषण पाठ्यक्रम शुरू करने चाहिए, अनुसंधान परियोजनाओं को बढ़ावा देना चाहिए, और उद्योगों के साथ साझेदारी करनी चाहिए। वि.वि को अपने खर्चों को नियंत्रित करना चाहिए, विशेषकर गैर-आवश्यक खर्चों को कम करके।

यह स्पष्ट है कि राजस्थान सरकार को अन्य राज्यों के समान विश्वविद्यालयों के कर्मचारियों और शिक्षकों की पेंशन का पूरा दायित्व उठाना चाहिए। यह न केवल वित्तीय रूप से विवेकपूर्ण कदम है, बल्कि यह न्याय, समानता और सामाजिक सुरक्षा के सिद्धांतों के भी अनुरूप है। यह कदम राज्य की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और सेवानिवृत्त कर्मचारियों को गरिमापूर्ण जीवन प्रदान करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। जब तक इन मुद्दों को संबोधित नहीं किया जाता, तब तक राजस्थान के विश्वविद्यालयों की वित्तीय स्थिति में सुधार करना बहुत मुश्किल होगा। यह न केवल विश्वविद्यालय के लिए बल्कि राज्य की उच्च शिक्षा के भविष्य के लिए भी एक बड़ी चुनौती है।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति, कानपुर एवं गोरखपुर वि.वि.,

यथार्थ से रूबरू कराता एक दिवा स्वप्न : "अंग्रेजी में लिखी पंक्तिओं 'फुट प्रिंट्स' पर आधारित, हिंदी अनुवाद"

प्रो. वीर बहादुर सिंह

किसी व्यक्ति ने एक स्वप्न देखा कि वह ईश्वर के साथ मित्रतापूर्वक सैर करने समुद्र के किनारे जा रहा है। दोनों ने बड़ी घनिष्ट वार्तालाप करते काफी दूरी तय कर ली।

भक्त ने प्रभु से पूछा कि–'आप मेरे साथ कहाँ तक चलेंगे?' प्रभु का उत्तर–'जहाँ तक तुझे जाना है वहां तक!' भक्त बहुत प्रसन्न हुआ और चलते-चलते किनारे की गीली रेत में पीछे कभी-कभी देखता जाता वह खुश होता यह देखकर कि हम दोनों के पद चिन्ह रेत में पीछे दिख रहे हैं। भक्त को अहसास हुआ कि अच्छा है प्रभु मेरे साथ हैं।

आगे कुछ दलदल और कंटकापूर्ण स्थान आया जहाँ से सुगमता से पार जाना मुश्किल था, भक्त ने बड़ी कठिनाई से वह कठिन डगर पार की और पीछे मुड़कर देखा तो उसे केवल एक ही पद चिन्ह दिखाई दिए। भक्त बहुत निराश हुआ और सोचा कि मेरे साथी तो कठिन मार्ग आते ही साथ छोड़ गए।

इसी उधेड़बुन में भक्त ने फिर कुछ सुगम दूरी तय की तो उसने देखा कि अब फिर से दो लोगों के पद चिन्ह बन रहे हैं। अब तो भक्त ने शिकायत भरा उलाहना दिया और प्रभु से बोला कि देख ली आपकी प्रतिज्ञा। प्रभु बोले क्यों क्या हुआ, भक्त ने कहा–'जब कठिन डगर आयी तो आप मेरा साथ छोड़ कर भाग लिए।' प्रभु ने पूछा कैसे? भक्त बोला, जैसे ही मार्ग कठिन आया, जिसे मेंने अपने पूरे मनोबल और संघर्ष से पार किया और पीछे मुड़ कर देखा।

तो उस कंटिका पूर्ण राह पर केवल मेरे ही पदचिन्ह थे। प्रभु बोले–'मूर्ख, वो एक पद चिन्ह केवल मेरे थे उस कठिन डगर पर मैंनें तुझे अपने कंधे पर बिठा लिया था क्योंकि तू उस कठिन रास्ते को पार करने में असमर्थ हो रहा था। तो फिर पद चिन्ह तेरे कैसे बनते?'

भक्त सोच में पड़ गया और फिर सावचेत मुद्रा में आने पर प्रभु से अपने अज्ञान के लिए पश्चाताप कर क्षमा मांगी। सारांश ये है कि बिना ईश्वर कृपा के मनुष्य, जीवन में एक कदम आगे नहीं बढ़ सकता। सम्पूर्ण जीवन संघर्षमय, मुसीवतों और कठिनाइओं से भरा पड़ा है। सभी प्राणीओं के जीवन में भी ऐसा ही है। अतः विश्वास के साथ ईश्वर को सदैव साक्षी मान कर जीवन को जियो।

–प्रो. वीर बहादुर सिंह,
डेरी एंड खाद्य विज्ञ, उदयपुर

सेवा का पर्व, बदलाव का संकल्प-लाखों लोगों की समस्याओं का हुआ मौके पर समाधान

ईशा सैनी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दीनदयाल उपाध्याय के अन्त्योदय को साकार करने के लिए गत 20 माह में अनेक अभिनव कदम उठाए हैं। इसी कड़ी में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक राज्यभर में संचालित किए जा रहे ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर-2025 ने जनसेवा के नए आयाम स्थापित किए हैं।

हनुमानगढ़ के सेवा शिविरों में गूँज रही जनकल्याण की सफलता की कहानियाँ–हनुमानगढ़ जिले की भादरा तहसील के भोजासर ग्राम पंचायत के सेवा शिविर में चक 1 बीएचपी के किसान जुल्फिकार खान और रफीक खान के बीच लगभग 40 वर्षों से लंबित भूमि विवाद को राजस्व विभाग की टीम ने समझाइश से आपसी सहमति में सुलझाया। दोनों पक्षों में खातेदारी भूमि का विभाजन व रास्ते का अंकन करवाया गया। इस पहल से दो पीढ़ियों से चला आ रहा विवाद समाप्त हुआ और दोनों परिवारों ने राहत की सांस ली।

संगरिया तहसील के संतपुरा ग्राम पंचायत के शिविर में एक वृद्ध महिला गुरदेव कौर ने बताया कि संयुक्त खाते के कारण उसकी कृषि भूमि पर बार-बार विवाद होता था। उपखंड अधिकारी ने मौके पर ही अलग खाता जारी करवाया और नकल प्रदान की। भावुक होकर गुरदेव कौर बोलीं, कुछ लोगों के दिलों में आज भी राम हैं, आज सच्चाई की जीत हुई है। इसी शिविर में स्थानीय युवाओं को गिरदावरी का प्रशिक्षण भी दिया गया।

रावतसर की ग्राम पंचायत नैवासर में आयोजित शिविर में जगमाल पुत्र बीरबलराम को उसके आवास का मालिकाना पट्टा प्रदान किया गया। वर्षों से बिना दस्तावेज के रह रहे इस परिवार को अब अपने घर पर कानूनी अधिकार मिला। शिविर में मुख्यमंत्री विश्वकर्मा पेंशन योजना के अंतर्गत पंजीयन भी किए गए, जिससे वृद्धजनों को आर्थिक सुरक्षा मिलेगी। युवाओं के लिए पंचायत ने खेल मैदान निर्माण की घोषणा कर भविष्य के प्रति विश्वास जगाया।

हनुमानगढ़ तहसील के 22-23 एनडीआर ग्राम पंचायत निवासी मोमन राम व भेरा राम जैसे गरीब परिवार अब खाद्य सुरक्षा योजना में चयनित हो गए हैं। वर्षों से सरकारी अनाज से वंचित ये परिवार अब नियमित रूप से गेंहूँ प्राप्त कर रहे हैं।

नोहर तहसील के ढंढेला गाँव के कालूराम वर्षों से अपने घर के स्वामित्व को लेकर परेशान थे। स्वामित्व योजना के तहत ड्रोन सर्वे से भूमि का डिजिटल नक्शा बना और उन्हें आवासीय स्वामित्व प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। आज वे बैंक से ऋण भी ले पा रहे हैं और सरकारी योजनाओं का लाभ भी। कालूराम कहते हैं, यह प्रमाण पत्र नहीं, आत्मसम्मान का प्रतीक है।

पीलीबंगा तहसील के प्रेमपुरा ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर के दौरान दस परिवारों को मालिकाना हक के प्रॉपर्टी पार्सल जारी किए गए। लाभार्थी ईमीचंद ने कहा, सालों की समस्या एक दिन में दूर हो गई। अब हम बैंक से लोन भी ले सकेंगे और सरकारी योजनाओं का लाभ भी। उनके चेहरे की मुस्कान सेवा शिविर की सफलता की असली पहचान बनी। ग्राम पंचायत 4 केएसपी, टिब्बी में सात काश्तकारों के संयुक्त खाते का आपसी सहमति से विभाजन कर किसानों को राहत दी गई। किसानों ने कहा-सरकार ने सच में गाँव तक सरकार पहुँचाई है।

चूरू जिले के तारानगर के कोहिणा निवासी पशुपालक जयकरण ने मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना अंतर्गत 22 जून, 2025 को अपने पशुधन ऊंटनी का बीमा करवाया था। दुर्भाग्यवश 16 जुलाई, 2025 को ऊंटनी की मृत्यु हो जाने से पशुपालक जयकरण को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा था। फिर 18 सितंबर को कोहिणा में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में उपस्थित होकर उन्होंने अपने पशुबीमा क्लेम की जानकारी ली, जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए पशुपालन विभाग की टीम ने उन्हें उनके पशु बीमा क्लेम की जानकारी दी। शिविर प्रभारी व पशुपालन विभाग की टीम ने शिविर में मौके पर ही पशुपालक जयकरण को उनकी ऊंटनी के बीमा के अंतर्गत 40 हजार रुपए की क्लेम राशि उनके बैंक खाते में जारी होने का क्लेम स्टेटमेंट सौंपा।

हनुमानगढ़ और चूरू जिले में अभियान की ये सफलताएं राज्य के प्रत्येक जिले, उपखंड और ग्राम पंचायत की सफलता की कहानियां हैं। सेवा शिविर इस बात कर प्रमाण हैं कि राजस्थान सरकार की जनसेवा, जनकल्याण और जनविश्वास की नीति सिर्फ़ नारों में नहीं, ज़मीन पर उतर चुकी है। सेवा शिविरों ने यह साबित कर दिया है कि जब सरकार घर-घर सेवा के भाव से कार्य करती है, तब हर नागरिक को न केवल उसका अधिकार मिलता है बल्कि आत्मसम्मान और विश्वास भी लौट आता है।

–ईशा सैनी, एपीआरओ,
राजस्थान सरकार

राशिफल मंगलवार 14 अक्टूबर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, पुनर्वसु नक्षत्र दिन 11:54 तक, सिद्ध योग रात्रि 4:11 तक, कौलव करण दिन 11:10 तक, चन्द्रमा आज कर्क राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-कर्क, मंगल-तुला, बुध-तुला, गुरू-मिथुन, शुक्र-कन्या, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज प्लुटो मार्गी प्रातः 8:20 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:21 से 10:47 तक, लाभ अमृत 10:47 से 1:39 तक, शुभ 3:05 से 4:31 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:29, सूर्यास्त 5:56

मेष

घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बनी रहेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

वृष

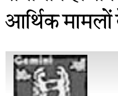

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन

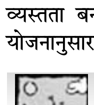

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

कर्क

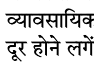

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में कार्यों पर धन खर्च हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी।

सिंह

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष और भय बना रहेगा।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

तुला

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृश्चिक

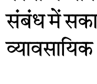

धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। घर-परिवार कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर

घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

कुंभ

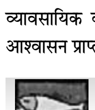

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मीन

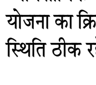

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

Hero
125M
CELEBRATING
125 MILLION CUSTOMERS
आया त्योहार
हीरो पे सवार
XTREME 125R
Splendor+ XTEC 2.0
पुराना एक्स-शोरूम
₹ 1 00 534
शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत
₹ 92 679#
GST लाभ ₹ 7 855
सीमित अवधि ऑफर
पुराना एक्स-शोरूम
₹ 80 491
शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत
₹ 74 202#
GST लाभ ₹ 6 289
इंस्टेंट डिस्काउंट
₹10 000^ तक
HDFC BANK FESTIVE TREATS क्रेडिट कार्ड
Powered by pine labs
कैश बोनस
₹ 3 500*
विशेष कॉर्पोरेट ऑफर्स
₹ 3 200~ तक
प्रतिदिन EMI
₹ 69$ से शुरू
डाउन पेमेंट
₹ 1 999$ से शुरू
INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY*
*Conditions apply
Hero GoodLife
पाएं जीतने का मौका
100% कैशबैक
24 कैरट सोने का सिक्का
और कई अन्य सुनिश्चित लाभ*
Additional offers on:
Flipkart amazon.in
Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN: L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. $Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs, Available at select dealerships. ^T&C apply, Offer available only on limited stores. *Limited period offer, T&C apply. As per cumulative dispatch numbers till August 2025. #Ex-showroom price of base variant of Splendor+ and Xtreme125R in Rajasthan.
TOLL FREE
1800 266 0018
अधिकृत डीलर : बीकानेर: राजाराम धारणिया हीरो, गोगा गेट सर्किल के पास, 9289922708 करण हीरो, म्यूजियम सर्किल के पास, 9289922528, राजाराम धारणिया ऑटोमोबाईल्स एक्सटेंशन काउंटर : अनाज मण्डी गेट के सामने 7229822929, 8048243279, वाटर वर्क्स के सामने, कालू रोड, लूणकरणसर, 8000294880, श्री गंगानगर रोड़, 7428598938, एसोशिएट डीलरः बीकानेर: ब्रज ऑटोव्हील्स : एनएच 15, चुंगी चौकी के पास, जैसलमेर रोड़, 9782400101, राज ऑटोमोबाइल्स (श्री डुंगरगढ़) 9414528983, अर्जुनसर स्टेशन: सिद्धि विनायक ऑटोमोबाइल्स, 8890636258, बज्जू: खीचड़ मोटर्स, 9468939229, कातर छोटी: लिम्बा मोटर्स, 9782151100, सांडवा: बेनीवाल ऑटोमोबाइल्स, 9414422944, नोखा: धारणियाँ मोटर्स, 7428049134 (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) बीकानेर: राजाराम धारणिया हीरो, सुभाष पेट्रोल पंप के सामने जयपुर रोड, बीकानेर, 7300056081.

खादी केवल वस्त्र नहीं, आत्मनिर्भर भारत का विचार : अर्जुनराम मेघवाल

बीकानेर, (कासं)। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत मशीन टूल किट वितरण एवं खादी संवाद कार्यक्रम 'खादी महोत्सव-2025' का आयोजन सोमवार को डागा पैलेस में किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल थे। उन्होंने कहा कि खादी केवल वस्त्र नहीं आत्मनिर्भर भारत का विचार है। आजादी तक हम स्वदेशी उत्पादों को पूर्णतया प्रोत्साहित करते थे। धीरे-धीरे इसमें बदलाव आया। लेकिन आज तेजी से स्वदेशी का जमाना लौट रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वदेशी के विषय को तेजी से आगे बढ़ाया है।

केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने ग्रामोद्योग विकास योजना के मशीन टूलकिट वितरण कर खादी कार्मिकों से संवाद किया।

- **ग्रामोद्योग विकास योजना के मशीन टूल किट वितरण एवं खादी संवाद कार्यक्रम आयोजित**
- **मेघवाल ने आव्हान किया कि दीपावली के मद्देनजर प्रत्येक व्यक्ति स्वदेशी के प्रोत्साहन का संकल्प लें और कम से पांच व्यक्तियों को इसके लिए प्रेरित करें**

मेघवाल ने कहा कि आज रक्षा के क्षेत्र में भारत में बने उपकरणों की गूंज है। एक दौर था जब हमें रक्षा उपकरण दुनियां के अन्य देशों से मंगवाने पड़ते थे। आज दुनियां ने हमारी रक्षा शक्ति का लोहा माना है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस आत्मनिर्भर भारत की प्रतीक है। केन्द्रीय मंत्री ने आव्हान किया कि दीपावली के मद्देनजर प्रत्येक व्यक्ति स्वदेशी के प्रोत्साहन का संकल्प लें और कम से पांच व्यक्तियों को इसके लिए प्रेरित करें।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देश का नेतृत्व संभालने के बाद खादी को भरपूर प्रोत्साहन मिला है। ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत टूल किट प्राप्त करने वाले लाभार्थी नई तकनीकों को अपना कर आत्मनिर्भर बनेंगे तथा देश के विकास में भागीदारी निभायेंगे। उन्होंने कहा कि वंचित पात्र जनों को आने वाले समय में टूल किट वितरित किए जाएं। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि महोत्सव के दौरान 390 कारीगरों को 554 मशीनें और टूल किट वितरित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आयोग ने गत ग्यारह वर्षों में अनेक कीर्तिमान स्थापित किए हैं। ग्यारह वर्ष 33 हजार करोड़ रूपए के खादी उत्पादों का विक्रय प्रतिवर्ष होता था। आज यह आंकड़ा 1 लाख 70 हजार करोड़ को पार कर गया है।

मनोज कुमार ने कहा कि इस दौरान उत्पादन में भी आमूलचूल बढ़ोतरी हुई है। इसमें प्रत्येक कतिन, बुनकर और स्वदेशी को प्रोत्साहित करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका है। उन्होंने बताया कि मशीनें और टूलकिट प्राप्त करने वाले सभी कारीगरों को प्रशिक्षण भी दिया गया है।

आयोग अध्यक्ष ने आमजन से स्वदेशी उत्पाद खरीदने का आव्हान किया, जिससे आर्टिजंस को और अधिक मजबूत किया जा सके। श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत ने कहा कि खादी ग्रामोद्योग भारत की पहचान रही है। युग में बदलाव के साथ इसमें भी परिवर्तन आया। हमारी धरोहर को संरक्षित रखना हमारी जिम्मेदारी है। इस दौरान सुमन छाजेड़, श्याम पंचारिया, खादी ग्रामोद्योग आयोग के राज्य निदेशक राहुल मिश्रा, खादी ग्रामोद्योग आयोग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी यशपाल सिंह, मंडलीय कार्यालय के सहायक निदेशक जयकुमार, संभाग अधिकारी रविन्द्र प्रसाद व्यास सहित कई लोग मौजूद थे।

पुष्करणा सामूहिक सावा 10 फरवरी को

बीकानेर, (कासं)। पुष्करणा ब्राह्मण समाज का सामूहिक विवाह (सावा) मितव्ययता और सामाजिक एकता के लिए प्रसिद्ध है। पहले चार साल और अब दो साल में आयोजित होने वाला यह अनोखा आयोजन अब 10 फरवरी 2026 को होगा।

इस दिन प्रदेश और देशभर से पुष्करणा समाज के परिवार बीकानेर पहुंचकर अपने लड़के-लड़कियों के विवाह करायेंगे। परंपरानुसार दशहरा के दिन सावा की तिथि तय होते ही सगाई, भवन और टैंट बुकिंग का क्रम शुरू हो चुका है। आयोजन वाले दिन पूरा परकोटा विवाह समारोह की छत बनेगा और शहरवासी बाराती।

ज्योतिषाचार्य पंडित ओझा के अनुसार सामान्य शादियों में मुहूर्त वर-वधु के नाम पर निकाला जाता है। लेकिन सावे में सैकड़ों विवाह एक साथ होते हैं। इसलिए विवाह का मुहूर्त भगवान शिव-पार्वती के नाम पर ही निर्धारित होता है। सावे की खासियत यह है कि कई परिवार बीकानेर पहुंचकर विवाह के ऐन वक्त सगाई करते हैं और उसी दिन विवाह संपन्न कराते हैं। इतिहासकार बृजेश्वर लाल व्यास के अनुसार बीकानेर में 65 वर्षों में 22 बार पुष्करणा सावा हुआ है। सबसे अधिक आयोजन फरवरी में हुए हैं। 10 फरवरी को तीसरी बार सावा होगा। इससे पहले 1969 और 2017 में इसी तिथि पर आयोजन हुआ था।

प्रशासन की गोचर विरोधी नीति पर आक्रोश

बीकानेर, (कासं)। उदयरामसर स्थित मुरली मनोहर धोरा में गोचर ओरण बचाओ महाआंदोलन के बैनर तले हुई महत्वपूर्ण बैठक में बीकानेर विकास प्राधिकरण और स्थानीय प्रशासन की गोचर भूमि विरोधी नीतियों के खिलाफ विरोध दर्ज किया गया।

पिछले एक महीने से चल रहे इस आक्रोषपूर्ण आंदोलन का मूल कारण बीकानेर विकास प्राधिकरण द्वारा नए मास्टर प्लान में बेशर्मी से शरह नथानियां, गंगाशहर, भीनासर, उदयरामसर व 188 गांवों की अमूल्य गोचर भूमि को आवासीय, व्यवसायिक एवं अन्य परियोजनाओं के लिए उपयोग में लेने की साजिश है। बैठक में उपस्थित समस्त गो भक्तों ने प्रशासन द्वारा हाल ही में बीकानेर शहर की गोचर भूमि के खसरों को अराजीराज करने की अवैध और शर्मनाक प्रक्रिया पर कड़ा विरोध व्यक्त किया। वक्ताओं ने प्रशासन के इस कदम को गोवंश के भविष्य पर सीधा हमला और धर्म-विरोधी कृत्य बताया। यह स्पष्ट है कि प्रशासन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है, जिसके चलते जनता का गुस्सा चरम पर है। गो भक्तों ने दो टूक शब्दों में प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि गोचर भूमि पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण या भू-उपयोग परिवर्तन किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं होगा। बैठक में पदाधिकारियों ने एकजुटता दिखाते हुए आगामी दिनों में इस महाआंदोलन को उग्र करने को कहा।

अब वार्ड में बनेगी कचरे से खाद, हटेंगे कचरा पाइंट, बनेगा जीरो वेस्ट

बीकानेर,(कासं)। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने की कवायद में अब नगर निगम ने एक वार्ड को आदर्श वार्ड बनाने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। इस वार्ड में आगामी समय में सड़कों पर कचरा नजर नहीं आयेगा। वार्ड में संग्रहित कचरे का निस्तारण वार्ड में ही होगा और कचरे से खाद बनेगी।

- **खाद बनाने के लिए कंपोस्ट पिट के लिए स्थान तय करना, आमजन की समझाइश करना होगा**

कचरा संग्रहण की व्यवस्था और अधिक पुख्ता व प्रभावी बनेगी। घरों में ही कचरे को अलग-अलग संग्रहित करना होगा व कचरे को सड़कों पर न फैंककर ऑटो टिपर में ही डालना होगा। इन कार्यों के लिए निगम ने अपने दल को वार्ड क्षेत्र में लगा दिया है। संभावना है मार्च 2026 तक वार्ड संख्या 12 शहर का पहला आदर्श वार्ड घोषित हो जाए। निगम आयुक्त मयंक मनीष के अनुसार वार्ड को जीरो वेस्ट वार्ड बनाने के लिए प्रभावी प्रयास किए जा रहे है। अब तक वार्ड क्षेत्र के 50 से 60 प्रतिशत घरों का कचरा सड़कों पर न फैंक कर ऑटो टिपर में ही डाला जा रहा है। अधिकतर घरों में गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने के लिए डस्टबिन लग चुके हैं। सड़कों पर कचरे की मात्रा कम होनी शुरू हो गई है। दल सदस्यों की ओर से घर-घर समझाइश की जा रही है।

निगम कुछ समय से वार्ड 12 को जीरो वेस्ट बनाने की कवायद में जुटा हुआ है। अब तक घरों में केवल दो ही प्रकार के डस्टबिन लग पाये हैं। चार प्रकार के डस्टबिन दिखाई नहीं दिए है। ऑटो टिपर में चार प्रकार के कचरे के लिए कंपार्टमेंट की व्यवस्था की हुई है, लेकिन दो कंपार्टमेंट खाली ही रह रहे है। वार्ड संख्या 12 में घरों, पार्कों, सड़कों, बाजारों और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से निकलने वाले कचरे के वार्ड में ही निस्तारण के लिए कंपोस्ट पिट बनाए जायेंगे। कंपोस्ट पिट में कचरे से खाद बनाई जायेगी। रि-साइकिल कचरे को अलग किया जायेगा। नगर निगम वार्ड 12 को आदर्श वार्ड बनाने की कवायद में जुटा हुआ है।

इस कार्य में निगम के समक्ष चुनौतियां भी कम नहीं है। चार प्रकार के कचरे को अलग-अलग घरों में ही संग्रहित करवाना और कचरे को अलग-अलग ऑटो टिपर में डलवाना सबसे बड़ी चुनौती होगी। सड़कों पर कचरा डालने की आदत को भी सुधारने के लिए सतत प्रयास करने होंगे। खाद बनाने के लिए कंपोस्ट पिट के लिए स्थान को तय करना, लम्बे समय तक आमजन की समझाइश करना, सतत रूप से दल की निगरानी आदि कार्य में निरन्तरता जरूरी होगी।

खादी ग्रामोद्योग भवन का उद्घाटन

बीकानेर, (कासं)। केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने सोमवार को रानी बाजार औद्योगिक क्षेत्र में क्षेत्रीय समग्र लोक विकास संघ के खादी ग्रामोद्योग भवन का उद्घाटन किया। इस भंडार के नवीनीकरण के लिए खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग की योजना के अनुसार 15 लाख रूपए का अनुदान प्राप्त हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भारत को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने में संकल्प को साकार करने में खादी और खादी से जुड़े कामगारों, कारीगरों और व्यवसायियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। खादी का काम बढ़ने पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और अधिक से अधिक परिवारों को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक देशवासी को चाहिए कि वे खादी को मजबूत करें तथा कम से कम खादी का एक उत्पाद जरूर खरीदें। उन्होंने स्वदेशी के प्रोत्साहन का संदेश दिया तथा स्वयं भी खादी की जैकेट खरीदी।

नयाशहर लूटकांड का खुलासा, चार गिरफ्तार

बीकानेर, (कासं)। नया शहर थाना क्षेत्र में दो दिन पहले हुई लूट की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। थाना अधिकारी कविता पूनिया के नेतृत्व में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जबकि दो अब भी फरार हैं।

- **दो आरोपी अब भी फरार, पुलिस ने सीसीटीवी और मुखबिरों से किया खुलासा**

पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर लूट की रकम बरामद करने का प्रयास कर रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सौरभ तिवाड़ी और सीओ सिटी श्रवणदास संत के सुपरविजन में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। टीम ने वारदात स्थल और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। साथ ही मुखबिरों की सूचना पर संदिग्धों को चिन्हित किया। थाना अधिकारी कविता पूनिया की टीम ने कार्रवाई करते हुए साजिद मुगलपुत्र मुश्ताक मुगल, निवासी रामपुरा बस्ती गली नंबर 2, साहिल पुत्र अय्यूब कायमखानी, निवासी सेखों का मोहल्ला, मोहम्मद अल्ताफ पुत्र मोहम्मद असलम और समीर पुत्र जाकिर हुसैन, निवासी यूनिक स्कूल के पास, रोशनी घर चौराहा को गिरफ्तार किया है। चारों से पूछताछ जारी है और पुलिस बाकी दो फरार युवकों की तलाश कर रही है। परिवादी हर्ष विजय निवासी स्टेशन रोड ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 10 अक्टूबर की रात करीब पौने नौ बजे जब वह कोठारी अस्पताल के पास पहुंचा, तभी पीछे से आये बाइक सवार युवकों ने उस पर हमला कर आंखों में मिर्ची झोंक दी और बैग छीनने का प्रयास किया। झड़प के दौरान बैग फट गया और आरोपी उसमें रखे 2 लाख 81 हजार 345 रूपए लेकर फरार हो गए। परिवादी के अनुसार बाइक सवारों के साथ एक कार भी थी, जिससे वह घबरा गया और मौके से भाग निकला।

सुजानदेसर गोचर रिकॉर्ड में सरकारी भूमि

बीकानेर, (कासं)। मास्टर प्लान के रास्ते गोचर भूमि के अधिग्रहण का भारी विरोध होने के बाद जिला प्रशासन की हैरान करने वाली कार्यवाही सार्वजनिक हुई। भूमि की जमाबंदी में सुजानदेसर-भीनासर गोचर का नामांतरण (म्यूटेशन) 10 अक्टूबर को जमाबंदी में बदला प्रदर्शित होने लगा।

- **तहसीलदार ने गैर मुमकिन गोचर के नाम से सुजानदेसर व भीनासर गोचर भूमि को अराजीराज किया**

तहसीलदार प्रशासन ने गैर मुमकिन गोचर के नाम से सुजानदेसर व भीनासर गोचर भूमि को अराजीराज किया है। इस कार्यवाही से ठीक एक दिन पहले ही 9 अक्टूबर को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने बीकानेर दौरे पर भाजपा नेता देवीसिंह भाटी और विधायक जेठानंद व्यास सहित गोचर बचाओ आंदोलन के प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया था कि मुख्यमंत्री से मिलकर इस मुद्दे पर बात की जायेगी।

इसके बाद जिला प्रशासन में हलचल देखी गई। इस गोचर भूमि को रकबाराज (जमाबंदी में गोचर की जगह सरकारी भूमि) के रूप में दर्ज करने की कार्यवाही हुई।

ओरण-गोचर आदि का जमाबंदी में अलग से खाता होता है। यह खाता संख्या 1 में रहता है। लोगों को जैसे ही गोचर भूमि का म्यूटेशन बदलने की भनक लगी, ऑनलाइन जमाबंदी पर पुरानी जमाबंदी देखने के लिए खाता खोलना चाहा। परन्तु खाता संख्या 1 डालने पर सिस्टम उसे स्वीकार ही नहीं कर रहा था। इसकी जगह खाता संख्या 10 आने लगा।

गोविन्द राम मेघवाल पर हमले की निंदा

बीकानेर, (कासं)। जालोर में पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता गोविन्द राम मेघवाल पर हुए हमले के प्रयास की घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है।

इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए पूर्व मंत्री डॉ. बी. डी. कल्ला, शहर कांग्रेस अध्यक्ष यशपाल गहलोत, देहात कांग्रेस अध्यक्ष बिशनाराम सियाग, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव जिया-उर-रहमान आरिफ, शहर कांग्रेस महासचिव राहुल जादुसंगत, कांग्रेस नेता मनोज किराडू तथा ललित तेजस्वी ने संयुक्त बयान जारी किया। नेताओं ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। भाजपा सरकार में हालात इस कदर बिगड़ गए हैं कि किसी भी व्यक्ति की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं है। उन्होंने मांग की है कि इस गंभीर घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार किया जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृति न हो।

सौर ऊर्जा से रोशन होंगे ऑफिस, भण्डार और पंपिंग स्टेशन

बीकानेर, (कासं)। नगर निगम के मुख्य कार्यालय सहित पंपिंग स्टेशन और भण्डार अब सौर ऊर्जा से रोशन होंगे।

- **विभिन्न स्थानों पर 245 किलोवाट क्षमता के रूफ टॉप सोलर प्लांट लगेंगे और सौर ऊर्जा तैयार होगी**
- **इसकी शुरूआत निगम मुख्य कार्यालय परिसर में हो गई**

इससे निगम को हर साल चालीस लाख रूपए से अधिक की राशि बचत होगी। सरकार की सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की योजना के तहत निगम के 11 कार्यालयों, भण्डार, पंपिंग स्टेशन सहित कई प्लांट में सौर ऊर्जा का उपयोग होगा।

इसके लिए विभिन्न स्थानों पर 245 किलोवाट क्षमता के रूफ टॉप सोलर प्लांट लगेंगे और सौर ऊर्जा तैयार होगी। इसकी शुरूआत निगम मुख्य कार्यालय परिसर में हो गई है। मुख्य भवन की छत पर रूफ टॉप सोलर प्लांट के लिए स्ट्रक्चर लगना शुरू हो गया है।

जल्द प्लेंटें लगेंगी और सौर ऊर्जा तैयार होगी। नगर निगम के अधिशाषी अभियंता (विद्युत) अनिल कनवाडिया के अनुसार निगम के कार्यालयों, पंपिंग स्टेशन, भण्डार सहित कुल11 स्थानों पर रूफ टॉप सोलर प्लांट स्थापित होंगे। इन 11 स्थानों पर कुल 245 किलोवाट क्षमता के प्लांट स्थापित होंगे।

इन प्लांट से प्रतिदिन लगभग 1500 यूनिट बिजली उत्पन्न होगी। निगम को हर साल लगभग 40 लाख रूपए की बचत होगी।

एक्सईएन के अनुसार आरआरइसीएल इस कार्य के लिए नोडल एजेंसी है। इसमें सरकारी भवनों की छतों और खाली परिसरों में सोलर ऊर्जा के प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं।

एक्सईएन विद्युत के अनुसार निगम मुख्य कार्यालय, डीडीआर भवन, निगम भण्डार, निगम उत्तर कार्यालय, बीछवाल फायर स्टेशन, एसपीएस शिवबाड़ी, एमआरएफ प्लांट, सीएण्डडी वेस्ट प्लांट, एसपीएस सुदर्शना नगर, एबीसी सेंटर, निगम क्वार्टर सौर ऊर्जा से रोशन होंगे। निगम के 11 स्थानों पर रूफ टॉप सोलर प्लांट स्थापित होने के बाद भी निगम के कुछ कार्यालय, सामुदायिक भवन, एसटीपी और एसपीएस सौर ऊर्जा से संचालन की सुविधा से वंचित रहेंगे।

'शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को बेहतर चिकित्सा मिलेगी'

बीकानेर, (कासं)। केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने सोमवार को शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुक्ता प्रसाद नगर का शुभारंभ किया।

इस अवसर पर मेघवाल ने कहा कि हमारे ऋषि, मुनियों, संतों तथा आध्यात्मिक चेतना के पुरोधाओं ने निरोगी काया को पहला सुख बताया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का निवास होता है। केन्द्र और राज्य सरकार इसी भावना पर चलते हुए प्रदेश में चिकित्सा के साथ शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गांव-गांव में और शहरी क्षेत्रों में चिकित्सा और शिक्षा में आमूलचूल सुधार लाने का श्रेय पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को जाता है। उन्होंने सर्व शिक्षा अभियान तथा राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के रूप में दो बड़ी सौगातें देश को दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस संकल्प को लगातार आगे बढ़ा रहे हैं।

केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुक्ताप्रसाद नगर का शुभारंभ किया।

- **पीबीएम अस्पताल में कैंसर रोगियों के लिए डायमंड लैब की सुविधा शीघ्र ही प्रारंभ होने वाली है**

मेघवाल ने कहा कि शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र प्रारंभ होने से आसपास के क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने यहां पर्याप्त चिकित्सा विशेषज्ञ नियोजित करने के निर्देश दिए तथा कहा कि संसाधनों की किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जायेगी। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र वर्मा ने कहा कि आने वाले समय में सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज और पीबीएम अस्पताल को देश के 10 प्रमुख चिकित्सा संस्थानों में शामिल करने का प्रयास किया जायेगा। उन्होंने बताया कि पीबीएम अस्पताल में कैंसर रोगियों के लिए डायमंड लैब की सुविधा शीघ्र ही प्रारंभ होने वाली है। इसके लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाएं मुहैया करवा ली गई है।

बाल संरक्षण कानून की जानकारी दी

बीकानेर, (कासं)। रामपुरिया जैन विधि महाविद्यालय सभागार में रासेयो की दोनों ईकाईयों एवं अजित फाउण्डेशन बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय सेमिनार 'बाल संरक्षण कानूनों की जानकारी : आज की आवश्यकता' का आयोजन किया गया।

जिसमें मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष एडवोकेट जुगलकिशोर व्यास, तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में बाल कल्याण समिति के सदस्य एडवोकेट जन्मेजय व्यास थे।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में अजित फाउण्डेशन, बीकानेर के कार्यक्रम समन्वयक संजय श्रीमाली थे। कार्यक्रम की विधिवत शुरूआत मां सरस्वती की वंदना से हुई। इसके बाद महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनन्त जोशी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सर्वप्रथम अजित फाउण्डेशन का आभार व्यक्त किया।

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2025/ **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 10.10.2025
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 8 के किला नं. 21 में भूखण्ड संख्या का माप 87 गुणा 65'' फीट के नियमन / पटटा हेतु आवेदक श्रीमती गुरमीतो पत्नी श्री गुरमीत चन्द निवासी निवासी फूलपुर पजांब द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्रीमती गुरमीतो पत्नी श्री गुरमीत चन्द निवासी निवासी फूलपुर पजांब द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 5 ई छोटी मुरब्बा नं. 8 के किला नं. 21 में भूखण्ड संख्या का माप 87 गुणा 65'' फीट का नियमन / पटटा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन / पटटा जारी होनी पाया गया तो वर्तमान पटटा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।
Rajkaj Ref. No. 18244208 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
Telefax No. 0154-2466652, Email :- uit_sgnr@yahoo.com Off. Add:- UIT Office, Model Town, Sri Ganganagar (Raj.) 335001
क्रमांक :- नियमन/2025/ **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 13.10.2025
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 4 ए छोटी मुरब्बा नं. 1 के किला नं. 14 में भूखण्ड संख्या का माप 1303 Sp Feet फीट के नियमन / पटटा हेतु आवेदक श्री सुरेंदर कुमार मेहता पुत्र श्री ओम प्रकाश मेहता निवासी जी.ओ. आई प्रेस फ्लैट नं. 200 एस एफ एस राजौरी अपार्टमेंट मायापुरी दक्षिण- पश्चिमी दिल्ली द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्री सुरेंदर कुमार मेहता पुत्र श्री ओम प्रकाश मेहता निवासी जी.ओ. आई प्रेस फ्लैट नं. 200 एस एफ एस राजौरी अपार्टमेंट मायापुरी दक्षिण पश्चिमी दिल्ली द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 4 ए छोटी मुरब्बा नं. 1 के किला नं. 14 में भूखण्ड संख्या का माप 1303 Sp फीट का नियमन / पटटा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन / पटटा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पटटा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा।
Rajkaj Ref. No. 18181964 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक : नियमन/2025/RajKaj Ref No.: 18091052 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 12-10-2025
सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 18/19 के किला नं. 18 में भूखण्ड संख्या का माप 20''गुणा 45'' फीट के नियमन/पटटा हेतु आवेदक **श्रीमती हरभजन कौर पत्नी श्री स्वर्ण सिंह निवासी मकान नं. 3 ई छोटी श्रीगंगानगर** द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों/रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक **श्रीमती हरभजन कौर पत्नी श्री स्वर्ण सिंह निवासी मकान नं. 3 ई छोटी श्रीगंगानगर** द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 18/19 के किला नं. 18 में भूखण्ड संख्या का माप 20''गुणा 45'' फीट का नियमन/पटटा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन/पटटा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पट्टा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। RajKaj Ref No.: 18091052 -सचिव,नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक :- नियोजन/2025/18243067 दिनांक : 12.10.2025
विज्ञप्ति
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चक 2 ई छोटी मुरब्बा नं. 33 किला नं. 21 के भूखण्ड संख्या एस-03 क्षेत्रफल 25'-0"×85'-0" फीट का आवासीय फ्री होल्ड पट्टा संख्या 26644 दिनांक 29.08.2024 द्वारा **मुरलीधर होम डवलपर्स प्रा. लि. जरिये डायरेक्टर श्री हेमन्त सिंगल पुत्र श्री श्याम लाल सिंगल निवासी आरडी-08, रिद्धि सिद्धि एन्क्लेव-1, श्रीगंगानगर** के नाम से जारी है। आवेदक द्वारा उक्त भूखण्ड का आवासीय से वाणिज्यिक भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन किया है। श्रीगंगानगर मास्टर प्लान वर्ष 2017-2035 अनुसार एवं जोनल प्लान अनुसार प्रश्नगत क्षेत्र का भू-उपयोग आवासीय हेतु आरक्षित है। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर की अधिसूचना क्रमांक प. 11 (8) नविवि)/2020 दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधियां की तालिका सं. 10 के अनुसार मास्टर प्लान/जोनल प्लान में 18 मीटर व उससे अधिक चौड़ाई की सड़कों के दोनो ओर सड़क की चौड़ाई का 1.5 गुणा तक मिश्रित भू उपयोग सीधे ही अनुमत है। मास्टर प्लान 2017-35 एवं राजस्थान भवन विनियम 2020 के प्रावधानों के अनुसार मिश्रित भू उपयोग में वाणिज्यिक भू उपयोग अनुज्ञेय है। राजस्थान सरकार नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर द्वारा भू-उपयोग परिवर्तन नियम, 2010, अधिसूचना दिनांक 28.10.2010, दिनांक 24.02.2021, दिनांक 06.11.2024 एवं अधिसूचना दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधिया (Development Promotion & Control Regulations) के अनुसार पट्टे/लीजडीड में उल्लेखित उपयोग से चाहा गया परिवर्तित उपयोग दोनों ही मास्टर प्लान। जोनल डवलपमेंट प्लान के भू-उपयोग में (DPCR) के अनुसार अनुज्ञेय (परमिटेड) उपयोग में आने एवं तकनीकी मापदण्ड पूर्ण होने के कारण विभागीय अधिसूचनाओं के तहत भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही न्यास कार्यालय में विचाराधीन है। **उपरोक्त वर्णित भूखण्ड का आवासीय रूपान्तरित से मिश्रित (वाणिज्यिक)** प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो वह समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर को कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते है। 15 दिवस के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा। - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक :- नियोजन/2025/18243168 दिनांक : 12.10.2025
विज्ञप्ति
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चक 2 ई छोटी मुरब्बा नं. 49 किला नं. 3 के भूखण्ड संख्या बी-02 क्षेत्रफल 20'-0"× 85'-0" फीट का आवासीय फ्री होल्ड पट्टा संख्या 25137 दिनांक 15.03.2024 द्वारा **मैसर्स मुरलीधर होम डवलपर्स प्रा. लि. जरिये डायरेक्टर श्री हेमन्त सिंगल पुत्र श्री श्याम लाल सिंगल निवासी आरडी-08, रिद्धि सिद्धि एन्क्लेव I, चक 2 एमएल, श्रीगंगानगर** के नाम से जारी है। आवेदक द्वारा उक्त भूखण्ड का आवासीय से वाणिज्यिक भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन किया है। श्रीगंगानगर मास्टर प्लान वर्ष 2017-2035 अनुसार एवं जोनल प्लान अनुसार प्रश्नगत क्षेत्र का भू-उपयोग आवासीय हेतु आरक्षित है। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर की अधिसूचना क्रमांक प. 11 (8) नविवि) / 2020 दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधियां की तालिका सं. 10 के अनुसार मास्टर प्लान/जोनल प्लान में 18 मीटर व उससे अधिक चौड़ाई की सड़कों के दोनो ओर सड़क की चौड़ाई का 1.5 गुणा तक मिश्रित भू उपयोग सीधे ही अनुमत है। मास्टर प्लान 2017-35 एवं राजस्थान भवन विनियम 2020 के प्रावधानों के अनुसार मिश्रित भू उपयोग में वाणिज्यिक भू उपयोग अनुज्ञेय है। राजस्थान सरकार नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर द्वारा भू-उपयोग परिवर्तन नियम, 2010, अधिसूचना दिनांक 28.10.2010, दिनांक 24.02.2021, दिनांक 06.11.2024 एवं अधिसूचना दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधिया (Development Promotion & Control Regulations) के अनुसार पट्टे/लीजडीड में उल्लेखित उपयोग से चाहा गया परिवर्तित उपयोग दोनों ही मास्टर प्लान। जोनल डवलपमेंट प्लान के भू-उपयोग में (DPCR) के अनुसार अनुज्ञेय (परमिटेड) उपयोग में आने एवं तकनीकी मापदण्ड पूर्ण होने के कारण विभागीय अधिसूचनाओं के तहत भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही न्यास कार्यालय में विचाराधीन है। **उपरोक्त वर्णित भूखण्ड का आवासीय रूपान्तरित से मिश्रित (वाणिज्यिक)** प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो वह समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर को कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते है। 15 दिवस के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा। - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक :- नियोजन/2025/18235239 दिनांक : 12.10.2025
विज्ञप्ति
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चक 2 ई छोटी मुरब्बा नं. 49 किला नं. 3 के भूखण्ड संख्या बी-01 क्षेत्रफल 25'-0"× 85'-0" फीट का आवासीय फ्री होल्ड पट्टा संख्या 25135 दिनांक 15.03.2024 द्वारा **मैसर्स मुरलीधर होम डवलपर्स प्रा. लि. जरिये डायरेक्टर श्री हेमन्त सिंगल पुत्र श्री श्याम लाल सिंगल निवासी आरडी-08, रिद्धि सिद्धि एन्क्लेव I, चक 2 एमएल, श्रीगंगानगर** के नाम से जारी है। आवेदक द्वारा उक्त भूखण्ड का आवासीय से वाणिज्यिक भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन किया है। श्रीगंगानगर मास्टर प्लान वर्ष 2017-2035 अनुसार एवं जोनल प्लान अनुसार प्रश्नगत क्षेत्र का भू-उपयोग आवासीय हेतु आरक्षित है। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर की अधिसूचना क्रमांक प. 11 (8) नविवि) / 2020 दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधियां की तालिका सं. 10 के अनुसार मास्टर प्लान/जोनल प्लान में 18 मीटर व उससे अधिक चौड़ाई की सड़कों के दोनो ओर सड़क की चौड़ाई का 1.5 गुणा तक मिश्रित भू उपयोग सीधे ही अनुमत है। मास्टर प्लान 2017-35 एवं राजस्थान भवन विनियम 2020 के प्रावधानों के अनुसार मिश्रित भू उपयोग में वाणिज्यिक भू उपयोग अनुज्ञेय है। राजस्थान सरकार नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर द्वारा भू-उपयोग परिवर्तन नियम, 2010, अधिसूचना दिनांक 28.10.2010, दिनांक 24.02.2021, दिनांक 06.11.2024 एवं अधिसूचना दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधिया (Development Promotion & Control Regulations) के अनुसार पट्टे/लीजडीड में उल्लेखित उपयोग से चाहा गया परिवर्तित उपयोग दोनों ही मास्टर प्लान। जोनल डवलपमेंट प्लान के भू-उपयोग में (DPCR) के अनुसार अनुज्ञेय (परमिटेड) उपयोग में आने एवं तकनीकी मापदण्ड पूर्ण होने के कारण विभागीय अधिसूचनाओं के तहत भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही न्यास कार्यालय में विचाराधीन है। **उपरोक्त वर्णित भूखण्ड का आवासीय रूपान्तरित से मिश्रित (वाणिज्यिक)** प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो वह समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर को कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते है। 15 दिवस के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा। - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक :- नियोजन/2025/18235509 दिनांक : 12.10.2025
विज्ञप्ति
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चक 2 ई छोटी मुरब्बा नं. 33 किला नं. 21 के भूखण्ड संख्या एस-02 क्षेत्रफल 25'-0"×85'-0" फीट का आवासीय फ्री होल्ड पट्टा संख्या 26646 दिनांक 29.08.2024 द्वारा **मुरलीधर होम डवलपर्स प्रा. लि. जरिये डायरेक्टर श्री हेमन्त सिंगल पुत्र श्री श्याम लाल सिंगल निवासी आरडी-08, रिद्धि सिद्धि एन्क्लेव-1, श्रीगंगानगर** के नाम से जारी है। आवेदक द्वारा उक्त भूखण्ड का आवासीय से वाणिज्यिक भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन किया है। श्रीगंगानगर मास्टर प्लान वर्ष 2017-2035 अनुसार एवं जोनल प्लान अनुसार प्रश्नगत क्षेत्र का भू-उपयोग आवासीय हेतु आरक्षित है। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर की अधिसूचना क्रमांक प. 11 (8) नविवि) / 2020 दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधियां की तालिका सं. 10 के अनुसार मास्टर प्लान/जोनल प्लान में 18 मीटर व उससे अधिक चौड़ाई की सड़कों के दोनो ओर सड़क की चौड़ाई का 1.5 गुणा तक मिश्रित भू उपयोग सीधे ही अनुमत है। मास्टर प्लान 2017-35 एवं राजस्थान भवन विनियम 2020 के प्रावधानों के अनुसार मिश्रित भू उपयोग में वाणिज्यिक भू उपयोग अनुज्ञेय है। राजस्थान सरकार नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर द्वारा भू-उपयोग परिवर्तन नियम, 2010, अधिसूचना दिनांक 28.10.2010, दिनांक 24.02.2021, दिनांक 06.11.2024 एवं अधिसूचना दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधिया (Development Promotion & Control Regulations) के अनुसार पट्टे/लीजडीड में उल्लेखित उपयोग से चाहा गया परिवर्तित उपयोग दोनों ही मास्टर प्लान। जोनल डवलपमेंट प्लान के भू-उपयोग में (DPCR) के अनुसार अनुज्ञेय (परमिटेड) उपयोग में आने एवं तकनीकी मापदण्ड पूर्ण होने के कारण विभागीय अधिसूचनाओं के तहत भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही न्यास कार्यालय में विचाराधीन है। **उपरोक्त वर्णित भूखण्ड का आवासीय रूपान्तरित से मिश्रित (वाणिज्यिक)** प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो वह समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर को कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते है। 15 दिवस के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा। - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक :- नियोजन/2025/18235609 दिनांक : 12.10.2025
विज्ञप्ति
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चक 2 ई छोटी मुरब्बा नं. 33 किला नं. 21 के भूखण्ड संख्या एस-01 क्षेत्रफल 25'-0"× 85'-0" फीट का आवासीय फ्री होल्ड पट्टा संख्या 26645 दिनांक 29.08.2024 द्वारा **मुरलीधर होम डवलपर्स प्रा. लि. जरिये डायरेक्टर श्री हेमन्त सिंगल पुत्र श्री श्याम लाल सिंगल निवासी आरडी-08, रिद्धि सिद्धि एन्क्लेव-1, श्रीगंगानगर** के नाम से जारी है। आवेदक द्वारा उक्त भूखण्ड का आवासीय से वाणिज्यिक भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन किया है। श्रीगंगानगर मास्टर प्लान वर्ष 2017-2035 अनुसार एवं जोनल प्लान अनुसार प्रश्नगत क्षेत्र का भू-उपयोग आवासीय हेतु आरक्षित है। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर की अधिसूचना क्रमांक प. 11 (8) नविवि) / 2020 दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधियां की तालिका सं. 10 के अनुसार मास्टर प्लान/जोनल प्लान में 18 मीटर व उससे अधिक चौड़ाई की सड़कों के दोनो ओर सड़क की चौड़ाई का 1.5 गुणा तक मिश्रित भू उपयोग सीधे ही अनुमत है। मास्टर प्लान 2017-35 एवं राजस्थान भवन विनियम 2020 के प्रावधानों के अनुसार मिश्रित भू उपयोग में वाणिज्यिक भू उपयोग अनुज्ञेय है। राजस्थान सरकार नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर द्वारा भू-उपयोग परिवर्तन नियम, 2010, अधिसूचना दिनांक 28.10.2010, दिनांक 24.02.2021, दिनांक 06.11.2024 एवं अधिसूचना दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधिया (Development Promotion & Control Regulations) के अनुसार पट्टे/लीजडीड में उल्लेखित उपयोग से चाहा गया परिवर्तित उपयोग दोनों ही मास्टर प्लान। जोनल डवलपमेंट प्लान के भू-उपयोग में (DPCR) के अनुसार अनुज्ञेय (परमिटेड) उपयोग में आने एवं तकनीकी मापदण्ड पूर्ण होने के कारण विभागीय अधिसूचनाओं के तहत भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही न्यास कार्यालय में विचाराधीन है। **उपरोक्त वर्णित भूखण्ड का आवासीय रूपान्तरित से मिश्रित (वाणिज्यिक)** प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो वह समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर को कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते है। 15 दिवस के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा। - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

राजस्थान सरकार, कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक : नियमन/2025/4412 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 08-10-2025
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री क्रांति नागपाल पुत्र श्री निरंजन दास निवासी म.नं. 31, हरमिलापी कॉलोनी, श्रीगंगानगर के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित आवासीय भूखण्ड का न्यास रिकॉर्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में न्यास रिकार्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :

न्यास रिकार्ड के अनुसार भूखण्ड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखण्ड के नामान्तरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूमि का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 1 एफ छोटी, मुरब्बा नं. 15 किला नं. 18, 23 भूखण्ड माप 30 इन्टू 55 फीट भूखण्ड संख्या एच-09, महादेव इन्कलेव,श्रीगंगानगर	उक्त भूखण्ड का पट्टा संख्या 364 दिनांक 26.07.2011 को श्री अमित वैद पुत्र श्री विरेन्द्र वैद के नाम से जारी किया हुआ है।	श्री क्रांति नागपाल द्वारा उक्त भूखण्ड को पंजीकृत बैयनामा दिनांक 26.08.2025 के द्वारा क्रय कर उक्त भूखण्ड का ऑनलाईन नामान्तरण हेतु न्यास में आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस सम्बन्ध में श्री क्रांति नागपाल पुत्र श्री निरंजन दास निवासी म.नं. 31, हरमिलापी कॉलोनी, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री तीज होल्ड पटटे के सम्बन्ध में कोई आपति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपति/उजर/दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा एवं कोई आपति/उजर स्वीकार नहीं होगा। आवेदन संख्या :- SGNR/FY25-26/MUT/740 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)
क्रमांक :- नियोजन/2025/18235397 दिनांक : 12.10.2025
विज्ञप्ति
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि चक 2 ई छोटी मुरब्बा नं. 32 किला नं. 8 के भूखण्ड संख्या एच-35 क्षेत्रफल 35'-0"× 75'-0" फीट का आवासीय फ्री होल्ड पट्टा संख्या 27747 दिनांक 25.02.2025 द्वारा **श्रीगंगानगर होम डवलपर्स प्रा. लि. जरिये डायरेक्टर श्री मुकेश सिंगल पुत्र श्री श्याम लाल सिंगल निवासी आर. बी.-15, 16 रिद्धि सिद्धि एन्क्लेव, श्रीगंगानगर** के नाम से जारी है। आवेदक द्वारा उक्त भूखण्ड का आवासीय से वाणिज्यिक भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने हेतु न्यास कार्यालय में आवेदन किया है। श्रीगंगानगर मास्टर प्लान वर्ष 2017-2035 अनुसार एवं जोनल प्लान अनुसार प्रश्नगत क्षेत्र का भू-उपयोग आवासीय हेतु आरक्षित है। नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर की अधिसूचना क्रमांक प. 11 (8) नविवि) / 2020 दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधियां की तालिका सं. 10 के अनुसार मास्टर प्लान/जोनल प्लान में 18 मीटर व उससे अधिक चौड़ाई की सड़कों के दोनो ओर सड़क की चौड़ाई का 1.5 गुणा तक मिश्रित भू उपयोग सीधे ही अनुमत है। मास्टर प्लान 2017-35 एवं राजस्थान भवन विनियम 2020 के प्रावधानों के अनुसार मिश्रित भू उपयोग में वाणिज्यिक भू उपयोग अनुज्ञेय है। राजस्थान सरकार नगरीय विकास एवं आवासन विभाग जयपुर द्वारा भू-उपयोग परिवर्तन नियम, 2010, अधिसूचना दिनांक 28.10.2010, दिनांक 24.02.2021, दिनांक 06.11.2024 एवं अधिसूचना दिनांक 14.10.2024 द्वारा जारी विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधिया (Development Promotion & Control Regulations) के अनुसार पट्टे/लीजडीड में उल्लेखित उपयोग से चाहा गया परिवर्तित उपयोग दोनों ही मास्टर प्लान। जोनल डवलपमेंट प्लान के भू-उपयोग में (DPCR) के अनुसार अनुज्ञेय (परमिटेड) उपयोग में आने एवं तकनीकी मापदण्ड पूर्ण होने के कारण विभागीय अधिसूचनाओं के तहत भू-उपयोग परिवर्तन की कार्यवाही न्यास कार्यालय में विचाराधीन है। **उपरोक्त वर्णित भूखण्ड का आवासीय रूपान्तरित से मिश्रित (वाणिज्यिक)** प्रयोजनार्थ भू-उपयोग परिवर्तन बाबत किसी को कोई आपत्ति हो तो वह समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 15 दिवस में अपनी आपत्ति लिखित में मय दस्तावेज सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर को कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते है। 15 दिवस के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा। - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

18 किलो गांजे की तस्करी कर रहे युवक की जमानत याचिका खारिज की हाईकोर्ट ने

गौरतलब है कि एन.डी.पी.एस. एक्ट में 20 किलो से कम मात्रा के मादक पदार्थों की तस्करी को वाणिज्यिक के बजाय निजी उपयोग माना जाता है, ऐसे में तस्करों को आसानी से जमानत मिल जाती है

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग द्वारा 18 करोड़ रु. बाजार मूल्य के मादक पदार्थ गांजा "हाईड्रोफोनिक वीड" के साथ पकड़े गए युवक की जमानत याचिका खारिज कर दी है।

- **परंतु इस बार हाईकोर्ट ने कस्टम विभाग द्वारा एयरपोर्ट पर 18 किलो "हाईड्रोफोनिक वीड" के साथ पकड़े गए तस्कर की जमानत यह कहते हुए खारिज की है कि, "तस्करों ने एक नया तरीका अपना लिया है कि वह ज्यादा नशीले मादक पदार्थों की 20 किलो से कम मात्रा में तस्करी पढ़े-लिखे नौजवानों से करवाते हैं, ताकि उन्हें आसानी से जमानत मिल सके।"**
- **अदालत ने अपने आदेश में कहा कि "वह यह नहीं चाहती कि वह ड्रग्स तस्करी के ऐसे प्रकरणों में जमानत याचिका स्वीकार करके नौजवान युवकों के लिए एक गलत मिशाल तय करे, जो कि उन्हें अपराध की दुनिया की ओर बढ़ाता हो"**

उल्लेखनीय है कि आरोपी युवक करीब 18.5 किलो गांजे के साथ पकड़ा गया था। हालांकि एनडीपीएस एक्ट की धारा 37 के तहत 20 किलोग्राम से कम की ड्रग्स की मात्रा को कमर्शियल क्वांटिटी (वाणिज्यिक मात्रा) से कम माना जाता है। यानि कि कानून की नजरों में यह मात्रा आरोपी द्वारा स्वयं के उपयोग के लिए मानी जाती है, ना कि बाजार में बिक्री के लिए।

इसी तथ्य को बताते हुए याचिकाकर्ता की ओर से अदालत में कहा गया कि, आरोपी करण मेहरा पढ़ा-लिखा व्यक्ति है, उस पर कोई भी अपराधिक केस नहीं है। इसलिए अदालत जमानत याचिका स्वीकार कर आरोपी की रिहाई के आदेश दे।

वहीं केन्द्र सरकार की ओर स्पेशल पब्लिक प्रोसिक्यूटर चंद्रशेखर सिन्हा ने अदालत को बताया कि, इस मामले में आरोपी करण मेहरा गांजे की विशिष्ट प्रजाति "हाईड्रोफोनिक वीड" को तस्करी करके ला रहा था, जिसमें टी.एच.सी. की मात्रा बहुत अधिक होती है। इस गांजे को विशिष्ट जगहों पर ही उगाया जाता है। उन्होंने अदालत को कहा कि, यह गांजा बहुत ज्यादा नशीला और व्यस्नकारी होता है, इस वजह से इस गांजे का मूल्य भी बाजार में बहुत ज्यादा है। बाजार में सामान्य गांजे की कीमत प्रति किलो 5 से 10 लाख रु. तक की मानी जाती है, जबकि इस तरह का गांजा करीब 1 करोड़ रु. प्रति किलो के भाव माना जाता है। चंद्रशेखर सिन्हा ने अदालत को बताया कि, अंतर्राष्ट्रीय तस्कर अब पढ़े-लिखे नौजवानों को बहला-फुसलाकर मुफ्त में अंतर्राष्ट्रीय यात्रा करवाने तथा घुमाने-फिराने के बहाने अपने जाल में फंसाते हैं और फिर उनके जरिए कानून में वर्णित 20 किलो से कम मात्रा की तस्करी करवाते हैं, ताकि युवकों को आसानी से जमानत मिल जाए।

अदालत ने इस पूरे मामले की सुनवाई करने के बाद कहा कि, उन्हें हैरानी है कि किस तरह से अपराधिक तस्कर गिरोह कॉलेज में पढ़ने वाले नौजवानों को महंगी विदेश यात्राएं और पैसों का लालच देकर उन्हें तस्करी के गर्त में धकेल रहे हैं और ऐसे युवकों को अगर आसनी से जमानत मिल जाए तो यह अन्य युवकों के लिए भी अपराध का रास्ता चुनने का प्रोत्साहन हो जाएगा।

अदालत ने कहा कि, वह यह नहीं चाहती कि वह आरोपी करण मेहरा की जमानत याचिका स्वीकार करके नौजवान युवकों के लिए एक गलत मिशाल तय करे। इसलिए न्यायाधीश अनिल कुमार उपमन ने इस पूरे मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी की जमानत याचिका खारिज की।

हाईकोर्ट ने खारिज की पेपरलीक के आरोपियों की जमानत याचिका

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने वरिष्ठ अध्यापक द्वितीय श्रेणी भर्ती परीक्षा के पेपरलीक के आरोपी पुखराज, अनिल कुमार, अरूण शर्मा और भूपेन्द्र सारण की जमानत याचिका खारिज की है। इस मामले में पेपर बेचकर पैसों की हेराफेरी करने के मामले में ई.डी. द्वारा जांच की जा रही है।

अदालत में याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि, उन पर मनी लॉड्रिंग (पैसों की हेराफेरी) के आरोप सिद्ध नहीं हुए हैं, जांच लंबित है। सभी लोग काफी समय से जेल में बंद है, इसलिए उन्हें जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया जाए।

इस मामले में ई.डी. की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता अक्षय भारद्वाज ने कहा कि, सभी अभियुक्तों पर अलग-अलग पेपरलीक करने के आरोप हैं। आरोपी अनिल कुमार के खिलाफ ई.डी. ने शिकायत दर्ज की थी, आरोप है कि अनिल ने पेपरलीक के पैसों से प्रॉपर्टी की खरीद की। भूपेन्द्र सारण, मुख्य आरोपी है, जिसने पेपरलीक का पूरा गिरोह चलाया है। आरोपी अरूण शर्मा वर्ष 2019 में फर्जी रेलवे भर्ती परीक्षा में भी मुख्य आरोपी है, इस पर 2.5 करोड़ रु. हड़पने के मामले सामने आये हैं। वहीं आरोपी पुखराज और उसके साथ सुरेश व पीराराम को उच्च माध्यमिक भर्ती परीक्षा में ईडी ने एक साथ पेपर बेचने के आरोप में पकड़ा था।

ई.डी. की ओर से बताया गया कि, इन आरोपियों पर आरपीएससी के तत्कालीन सदस्य बाबूलाल कटारा से सीधे पेपर खरीदने के आरोप हैं। ऐसे में इन्हें जमानत नहीं दी जाए।

इस मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने कहा कि, सभी आरोपियों पर काफी गंभीर आरोप हैं, अभी तक जितने भी तथ्य कोर्ट के समक्ष पेश हुए हैं, उन्हें देखते हुए जमानत याचिका स्वीकार करना ठीक नहीं है। इस टिप्पणी के साथ न्यायाधीश अशोक जैन ने आरोपियों की जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

सहकार दीपोत्सव मेले में 55 प्रतिशत तक छूट पर मिलेंगे शिवकाशी के ग्रीन पटाखे

सहकारिता मंत्री ने किया 'सहकार दीपोत्सव मेला-2025' का विधिवत शुभारम्भ

जयपुर (कासं)। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने सोमवार को जयपुर के भवानी सिंह रोड स्थित नवजीवन सहकारी बाजार में राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ (कॉनफेड) द्वारा आयोजित किए जा रहे 'सहकार दीपोत्सव मेला-2025' का गणेश प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर विधिवत शुभारम्भ किया। यह मेला 19 अक्टूबर तक प्रातः 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। यहां शिवकाशी (तमिलनाडू) के ग्रीन पटाखे, 55 प्रतिशत तक डिस्काउंट पर मिलेंगे। आमजन के लिए यहां गुणवत्तापूर्ण ग्रीन पटाखे और अन्य त्यौंहारी सामग्री उचित दरों पर उपलब्ध करवाई गई है।

- **जयपुर में 13 से 19 अक्टूबर तक आयोजित होगा मेला, यहां ग्रीन पटाखे और त्यौंहारी सामग्री भी मिलेगी**

सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने सोमवार को दीपोत्सव मेले का उद्घाटन करने के बाद स्टॉल्स का अवलोकन किया।

मंत्री गौत्तम कुमार दक ने कहा कि सहकारिता गुणवत्ता का प्रतीक है। मेले में एमएमटीसी के चांदी के सिक्के भी उचित मूल्य पर उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। मेले के प्रति लोगों का रिस्पॉन्स देखते हुए उम्मीद है कि पिछले वर्ष की अपेक्षा अधिक बिक्री होगी। सहकारिता मंत्री ने मेले में लगी सभी स्टॉल्स का अवलोकन कर बिक्री के लिए लाये गए उत्पादों तथा उन पर दी जा रही छूट के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली और मेले में सुरक्षा एवं अग्निशमन संबंधी आवश्यक सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सहकार दीपोत्सव मेले में जयपुरवासियों के लिए खुले व गिफ्ट पैक में ग्रीन पटाखे, बर्तन, सजावटी फ्लॉवर, डिजाइनदार कैंडल्स, बेडशीट्स के साथ ही पूजन सामग्री भी उपलब्ध करवाई गई है।

इसके अतिरिक्त, सूखे मेवे के उपहार पैक, नमकीन, परिधान और हाउस होल्ड सामान भी उपलब्ध है। साथ ही, मिलेट उत्पादों का आउटलेट भी दीपोत्सव मेले में लगाया गया है। इस अवसर पर विधायक हमीर सिंह भायल, सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल, कॉनफेड की प्रबंध निदेशक शिल्पी पांडे सहित सहकारिता विभाग व उपभोक्ता संघ के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिकों को कराया जयपुर भ्रमण

जयपुर। टाईम बैंक ऑफ इंडिया की ओर से 75 वर्ष से अधिक आयु के सदस्यों को निःशुल्क जयपुर भ्रमण कराया गया। 35 ऐसे वरिष्ठ नागरिकों को डबल डेकर बस द्वारा जयपुर के पर्यटन स्थलो की सैर कराई गई। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने बिरला मंदिर से हरी झंडी दिखाकर बस को रवाना किया। टाईम बैंक ऑफ इंडिया देश में एक अनूठा विचार लेकर आया है, जहां एकाकी बुजुर्गों को निःशुल्क रूप से मानवीय सहायता प्रदान कर उनकी देखभाल की जाती है। सेवा के समय की बैंक की पासबुक में घंटों के रूप में प्रविष्टि भी की जाती है। सदस्य इस जमा समय का उपयोग भविष्य में कर सकते है। उनका विभाग वरिष्ठ नागरिकों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए सदैव तत्पर है। इस अवसर पर मंत्री अविनाश गहलोत ने कुछ अति वरिष्ठ नागरिकों के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद भी लिया। गहलोत ने बुजुर्गों की सेवा में विशिष्ट योगदान के लिए एक अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस पर टाईम बैंक ऑफ इंडिया को प्राप्त पुरस्कार के लिए बधाई दी। बस में भ्रमणार्थियों की सहायता के लिए बैंक के युवा सदस्य आकाश शर्मा, पूजा शर्मा एवं अंजू पीयूष साथ रहे।

राजस्थान अध्ययन दल ने डेनमार्क में भारतीय राजदूत मनीष प्रभात से की मुलाकात

राजस्थान और डेनमार्क के बीच कृषि और पशुपालन के क्षेत्रों में सहभागिता और साझेदारी बढ़ाने पर हुआ विचार विमर्श

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। किसानों की क्षमता वृद्धि के लिए नॉलेज एनहांसमेंट प्रोग्राम के तहत पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत के नेतृत्व में पंचायती राज व ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटा राम देवासी, पशुपालन राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम सहित प्रदेश के 38 प्रगतिशील किसानों का दल तीन मंत्रियों के नेतृत्व में इन दिनों डेनमार्क दौरे पर है। डेनमार्क में यह दल वहां कृषि और पशुपालन की नई तकनीकों और नवाचारों के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहा है।

अध्ययन दल ने डेनमार्क प्रवास के दौरान भारत के राजदूत मनीष प्रभात से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर दोनों पक्षों के बीच कृषि, पशुपालन, जल प्रबंधन और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में आपसी सहयोग एवं ज्ञान-विनिमय पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान दल के सदस्यों ने राजस्थान में चल रही कृषि, पशुपालन, जल प्रबंधन तथा नवीकरणीय ऊर्जा से संबंधित पहलुओं पर चर्चा की तथा डेनमार्क के अनुभवों से सीखने की अपनी उत्सुकता व्यक्त की।

मंत्री जोराराम कुमावत, ओटा राम देवासी और जवाहर सिंह बेढम ने 38 प्रगतिशील किसानों के साथ डेनमार्क में भारतीय राजदूत से मुलाकात की।

राजदूत मनीष प्रभात ने अध्ययन दल का स्वागत करते हुए कहा कि राजस्थान जैसे राज्य में डेनमार्क की तकनीकी विशेषज्ञता और नवाचार विशेष रूप से कृषि, पशुपालन और डेयरी प्रबंधन के क्षेत्रों में उपयोगी सिद्ध हो सकते हैं। उन्होंने भारत-डेनमार्क साझेदारी को और मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया।

दूतावास की ओर से राजस्थान के अध्ययन दल को रात्रि भोज पर आमंत्रित किया गया जहां देश के प्रवासी भारतीयों के साथ दल के सदस्यों का संवाद हुआ और राजस्थान तथा डेनमार्क के बीच किन किन क्षेत्रों में सहभागिता हो सकती है इस पर विस्तृत विचार विमर्श हुआ।

उल्लेखनीय है इस दल में पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत, पंचायती राज व ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटा राम देवासी, पशुपालन राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, किसान आयोग के अध्यक्ष सी.आर.चौधरी, पशुपालन विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा, कृषि विभाग के शासन सचिव राजन विशाल के साथ साथ कृषि, उद्यानिकी एवं पशुपालन विभागों के 9 अधिकारी तथा 38 किसान और पशुपालक भी शामिल हैं।

दल का नेतृत्व पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत कर रहे है। दल के सदस्यों ने बताया कि यह राजदूत मनीष प्रभात के साथ मुलाकात अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक रही। डेनमार्क की उन्नत तकनीकों और नीतिगत नवाचारों का अनुभव राजस्थान में कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र के विकास को नई दिशा प्रदान करेगा और हमारा यह अनुभव राज्य में नई योजनाओं के क्रियान्वयन में सहायक सिद्ध होगा।

वित्त आयोग अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी को दुबई में 'राजस्थान रत्न अवार्ड' से नवाजा

जयपुर। राजस्थान भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राजस्थान राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी को दुबई में आयोजित भव्य समारोह में 'राजस्थान रत्न अवार्ड-2025' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें समाजसेवा, लोककल्याण तथा राजस्थान के समग्र विकास के प्रति उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

यह सम्मान राजस्थान बिज़नेस एंड प्रोफेशनल ग्रुप (आरबीपीजी) दुबई एवं राजस्थान फाउंडेशन दुबई चैप्टर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दिवाली उत्सव 2025 कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया गया। डॉ. चतुर्वेदी के नेतृत्व में राजस्थान राज्य वित्त आयोग ने पंचायतों और नगरीय निकायों को सशक्त बनाने, वित्तीय संसाधनों के न्यायसंगत वितरण तथा स्थानीय निकायों के विकास को गति देने के लिए कई अभिनव पहलें की हैं। वित्तीय विकेंद्रीकरण की दिशा में आयोग द्वारा किए जा रहे कार्यों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना मिल रही है। राजस्थान फाउंडेशन के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड़ ने बताया कि इस अवसर पर दुबई में पिछले 75 वर्षों से राजस्थान मूल के लोगों की सहायता कर रहे वासु श्रॉफ, तथा बीएनडब्ल्यू डेवलपर्स के मालिक एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट अंकुर अग्रवाल को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 'प्रवासी सम्मान अवार्ड-2025' से सम्मानित किया गया।आरबीपीजी अध्यक्ष हरिकिशन रांकावत ने कहा कि डॉ. अरुण चतुर्वेदी को समाज कल्याण, शिक्षा और सुशासन के क्षेत्र में उनके समर्पण के लिए यह पुरस्कार प्रदान किया गया है। कार्यक्रम में दुबई में भारत के कॉन्सुल जनरल सतीश शिवन, आरबीपीजी चेयरमैन लालाराम, बोर्ड डायरेक्टर डॉ. केसर कोठारी, उपाध्यक्ष डॉ. रोमित पुरोहित सहित संगठन के सभी ट्रस्टी एवं लगभग 1200 प्रवासी राजस्थानी डॉक्टर, इंजीनियर, चार्टर्ड अकाउंटेंट और उद्योगपति परिवार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राजस्थान मूल के प्रसिद्ध संगीतकार शारिब-तोशी की प्रस्तुति ने समां बाँध दिया।

राजस्थान राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरुण चतुर्वेदी को दुबई में आयोजित समारोह में सम्मानित किया गया।

भारतीय मजदूर संघ की बैठक

जयपुर। भारतीय मजदूर संघ, जयपुर जिला इकाई की कार्यसमिति बैठक सोमवार को संघ कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता श्री रंजीत सिंह गुर्जर, अध्यक्ष - भारतीय मजदूर संघ, जयपुर जिला इकाई ने की। बैठक में आगामी प्रदेश स्तरीय श्रमिक हुंकार रैली की तैयारियों पर चर्चा हुई, जो 26 दिसंबर को जयपुर में आयोजित की जाएगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी पदाधिकारी व सदस्य विभिन्न संगठनों से जुड़कर अधिकतम संख्या में भागीदारी सुनिश्चित करें, ताकि संगठन की एकता और शक्ति का प्रदर्शन हो सके। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रचारक जयंतीलाल और प्रदेश महामंत्री हरिमोहन शर्मा ने कार्यसमिति को मार्गदर्शन प्रदान किया।

तकनीकी नवाचारों से मिलेगी शहरी विकास को रफ्तार : रवि जैन

स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव ने दिया क्षमता संवर्धन कार्यशाला में नवनियुक्त अधिकारियों को व्याख्यान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के कुशल नेतृत्व और मंत्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशन में स्वायत्त शासन विभाग जनसेवा के नये आयाम स्थापित कर रहा है।

एमएनआईटी के अमरूत सेंट्र में नवनियुक्त अधिशासी और राजस्व अधिकारियों की क्षमता संवर्धन के लिए 45 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। शासन सचिव रवि जैन ने इस कार्यशाला में सोमवार को अधिकारियों से संवाद कर उनका मार्गदर्शन किया। जैन ने कहा कि व्यक्ति के जीवन में सीखने की कोई उम्र नहीं होती है, अभ्यास से ही वह अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर हो जाता है। उन्होंने कहा की क्षेत्र अधिकारी के रूप में, आपका कार्य केवल फाइलों तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्य सरकार की प्रगति और समृद्धि की नींव को मजबूत करना है। आज के तेज़ी से बदलते समय में, हमें कुछ नया और अलग सोचने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा की तकनीकी नवाचारों से राजस्थान के अर्बन गवर्नेंस को गति मिलेगी, हमे चाहिए की हम नवीन विचारों को अपनाएं और जन कल्याण के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों और विधियों को सीखें।हमे परंपरा और आधुनिकता को जोड़ते हुए उत्कृष्टता की ओर बढ़ना है।

स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने एमएनआईटी में नवनियुक्त अधिशासी और राजस्व अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित किया।

जैन ने व्याहवारिक ज्ञान पर प्रकाश डालते हुए सभी नयनियुक्त अधिकारियों को अपना आचरण सौम्य और संवेदनशील बनाए रखने का आव्हान किया। उल्लेखनीय है कि 111 प्रशिक्षणार्थियों को इस 45 दिवसीय कार्यशाला में तकनीकी विषयों एवं निर्माण कार्यों से संबंधित विभिन्न तकनीकी नवाचारों का प्रशिक्षण दिया जायेगा। कार्यशाला में विभिन्न सत्र होंगे जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों एवं विषय विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिया जायेगा। इस उद्घाटन सत्र में स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक प्रतीक जुईकर सहित अन्य अधिकारी, एमएनआईटी के प्रोफेसर एवं सभी प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

विधानसभा पहुंचने पर देवनानी का अभिनंदन

बारबाडोस सम्मेलन और यू.के. अध्ययन यात्रा से लौटे हैं देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का सोमवार को यहां विधान सभा पहुँचने पर विधान सभा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने अभिनंदन किया। देवनानी बारबाडोस में 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में भाग लेकर और संसदीय परम्पराओं का यू.के. में अध्ययन यात्रा के बाद रविवार को वापस लौटे है।

देवनानी का विधान सभा कर्मियों ने पुष्प गुच्छ भेंट कर, साफा, फूल माला और दुपट्टा पहनाकर और शॉल ओढाकर अभिनंदन किया। देवनानी ने सभी विधान सभा कर्मियों के हाल-चाल पूछे। देवनानी के साथ इस यात्रा में प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा भी गये थे। उल्लेखनीय है कि बारबाडोस में 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में देवनानी ने राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया। सम्मेलन में राउंड टेबल परिचर्चा में लोकतंत्र को समर्थन देने के लिए हमारी संस्थानों का सुदृढ़ीकरण, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक स्वास्थ्य के लिए इसका खतरा-स्थायी समाधान ढूँढना और सुशासन, बहुपक्षवाद और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों में राष्ट्रमंडल की भूमिका पर विचार व्यक्त किये। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा के भी अध्यक्ष देवनानी ने राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की वार्षिक साधारण सभा में भी भाग लिया। लंदन यात्रा के दौरान देवनानी ने सावरकर हाउस, अम्बेडकर हाउस सहित ऐतिहासिक भवनों का अवलोकन किया। लंदन में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर देवनानी ने पुष्पाजंलि अर्पित की। यू.के. और बारबाडोस में भारतीय प्रवासी समुदाय से मुलाकात कर उनके योगदान और भारतीय संस्कृति व लोकतांत्रिक मूल्यों को विश्व में बढ़ावा देने के लिये किये जा रहे प्रयासों की सराहना की। देवनानी ने राजस्थान विधान सभा के डिजिटल पहल, महिला सशक्तिकरण, पारदर्शिता, समावेशी शासन मॉडल सहित सनातन संस्कृति के अनुरूप प्रकाशित विधान सभा कैलेण्डर और डायरी सहित विभिन्न नवाचारों को वैश्विक मंच पर साझा किया।

विधानसभा में सोमवार को अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का स्वागत किया।

पेट्रोल पंप पर सेल्समैन ने की मारपीट

जयपुर। ब्रह्मपुरी थाना इलाके में बाइक में पेट्रोल भरवाने आए एक युवक और सेल्समैन की कहासुनी हो गई और देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में तब्दील हो गई। पेट्रोल पंप पर कार्यरत सेल्समैन ने बाइक सवार युवक से मारपीट शुरु कर दी। तभी कुछ लोगों ने बीच बचाव का प्रयास किया तो कुछ लोगों ने घटना का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया।

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने पेट्रोल पंप संचालक को सीसीटीवी फुटेज समेत थाने बुलवाया। हालांकि अभी तक दोनों पक्षों की ओर से किसी भी तरह का कोई मुकदमा दर्ज नहीं कराया गया है।पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा ने बताया कि सोशल मीडिया पर 11 अक्टूबर का एक वीडियो वायरल हो रहा था।

जिसमें पेट्रोल पंप पर कार्यरत सेल्समैन एक युवक से मारपीट करता हुआ दिखाई दे रहा है। वीड़ियों के सत्यापन के बाद पेट्रोल पंप संचालक को सीसीटीवी फुटेज सहित थाने बुलवाया गया है। सीसीटीवी फुटेज के सत्यापन के बाद जांच की जाएगी।

डेढ़ साल से जमा गंदे पानी के निकास के लिए क्या कर रहा है प्रशासन?

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने हिंडौन सिटी के बीच से निकल रहे मंडावरा रोड के मुख्य मार्ग पर करीब डेढ़ साल से जमा सीवरेज, वर्षा और गंदे पानी की निकासी के लिए कोई कार्रवाई नहीं होने के चलते स्थानीय निवासियों को हो रही परेशानी पर नाराजगी जताई है।

- **राजस्थान हाईकोर्ट ने हिंडौन सिटी के बीच से निकल रहे मंडावरा रोड के मुख्य मार्ग पर करीब डेढ़ साल से जमा सीवरेज, वर्षा और गंदे पानी की निकासी के लिए कोई कार्रवाई नहीं होने पर नाराजगी जताई**

इसके साथ ही अदालत ने प्रमुख स्वायत्त शासन सचिव, स्वायत्त शासन निदेशक, जिला कलेक्टर करौली और एसडीओ हिंडौन सहित स्थानीय नगर परिषद आयुक्त से जवाब मांगा है। वहीं अदालत ने जिला कलेक्टर और नगर परिषद आयुक्त को आगामी तारीख तक शपथ पत्र पेश कर बताने को कहा है कि मुख्य मार्ग पर भरे इस गंदे पानी की निकासी के लिए अब तक क्या किया गया है और भविष्य की क्या कार्य योजना है। जस्टिस संजीत पुरोहित ने यह आदेश गिर्राज प्रसाद व अन्य की याचिका पर दिया।याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक व विनोद सिंघल ने बताया कि याचिकाकर्ता हिंडौन के मंडावरा रोड के निवासी हैं। यहां मुख्य रोड पर करीब डेढ़ साल से सीवरेज व वर्षा सहित घरों के गंदे पानी का जमावड़ा हो रहा है। इस रोड से 25 कॉलोनियों और कई गांव के लिए रास्ते जाते हैं। इन रास्तों पर रोजाना हजारों वाहन व पैदल यात्री निकलते हैं। आए दिन गंदे पानी में लोग गिर जाते हैं। गंदे पानी की निकासी के लिए कोई नाली भी नहीं है। इस बारे में स्थानीय जिला प्रशासन व नगर परिषद को कई बार प्रतिवेदन दिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसलिए गंदे पानी की निकासी के लिए कोई ठोस कार्रवाई की जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए शपथ पत्र पेश कर आगामी कार्य योजना पेश करने को कहा है।

विद्याश्रम स्कूल में री-यूनियन समारोह हुआ

जयपुर। विद्याश्रम स्कूल, जयपुर के 2004 बैच के पूर्व छात्रों ने अपने स्कूल के 21 साल पूरे होने के अवसर पर एक यादगार रियूनियन समारोह आयोजित किया।

यह आयोजन बैच के सहपाठियों द्वारा स्वयं आयोजित किया गया और जयपुर के प्रसिद्ध क्लेबोर्न रेस्तरां में संपन्न हुआ।

इस रियूनियन समारोह में देश भर से पूर्व छात्र अपने पुराने दोस्तों से मिलने के लिए पहुंचे। कई सहपाठी वर्षों बाद एक-दूसरे से मिले, जिससे समारोह में खुशी और उत्साह का माहौल रहा। सभी ने अपने स्कूल के दिनों की पुरानी यादों को ताजा किया और पुराने दिनों को याद करते हुए भावुक हो उठे।

पहली बार ओलंपिक में खेलने पर दुनिया ने हमारे कौशल और प्रतिभा को देखा और वहीं हमारी हॉकी टीम का शानदार सफर शुरु हुआ।
- अशोक कुमार

भारतीय हॉकी खिलाड़ी, भारतीय हॉकी के 100 वर्ष पूरा होने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी रवि शास्त्री

लंबे समय बाद टीम इंडिया के सीनियर खिलाड़ी रोहित शर्मा और विराट कोहली आगामी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में खेलते हुए दिखेंगे। वहीं इन दोनों दिग्गजों को लेकर पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने बयान दिया है। रवि शास्त्री का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा की 2027 वर्ल्ड कप खेलने की उम्मीदें उनकी फॉर्म, फिटनेस और जज्बे पर टिकी हैं। रोहित-कोहली के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी सीरीज इन पहलुओं की एक अहम परीक्षा होगी। इन दोनों दिग्गजों को अपनी जगह पक्की करने के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मजबूत प्रदर्शन करना होगा।

क्या आप जानते हैं ?... वेस्टइंडीज की टीम पिछले 17 वर्षों से भारत के खिलाफ कोई द्विपक्षीय वनडे इंटरेशनल सीरीज नहीं जीत सकी है।

जोशना चिनप्पा ने जीता जापान ओपन का खिताब

योकोहामा (जापान), 13 अक्टूबर। दो बार की एशियन चैंपियन भारत की जोशना चिनप्पा ने सोमवार को एक बार फिर दमदार प्रदर्शन करते हुए जापान ओपन 2025 स्क्वैश टूर्नामेंट में मिस्त्र की हया अली को हराकर महिला एकल का खिताब अपने नाम किया। आज यहां खेले गये मुकाबले में 39 वर्षीय भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी ने तीसरी वरीयता प्राप्त दुनिया की 53वें नंबर की मिस्त्र की हया अली को 11-5, 11-9, 6-11, 11-8 से हराकर पीएसए चैलेंजर प्रतियोगिता में अपने शानदार प्रदर्शन का समापन किया। यह उनके करियर का 11वां पीएसए खिताब है। उल्लेखनीय है कि जोशना चिनप्पा की यह हया अली के साथ दूसरी भिड़ंत थी। इससे पहले दोनों स्क्वैश खिलाड़ी ने इस साल बरमूडा ओपन के दूसरे राउंड में एक-दूसरे का मुकाबला किया था। इस मुकाबले में जोशना को 11-8, 10-12, 5-11, 11-9, 11-8 से हार का सामना करना पड़ा था। पूर्व विश्व नंबर 10 स्क्वैश खिलाड़ी, जोशना हांगझोऊ में एशियन गेम्स 2023 के बाद घुटने की सर्जरी के बाद से शानदार वापसी कर रही हैं। एशियन गेम्स में वह भारत की कांस्य पदक विजेता महिला टीम का भी हिस्सा थीं। जोशना ने इस साल की शुरुआत में युवा स्टार खिलाड़ी अनाहत सिंह के साथ जून में एशियन चैंपियनशिप में महिला युगल का खिताब जीता था। इसके अलावा इंडियन ओपन के सेमीफाइनल में भी जगह बनाई थी, जहां उन्हें अनाहत से हार का सामना करना पड़ा और अनाहत चैंपिनय बनीं।

इंग्लैंड के खिलाफ मिशेल सैंटनर होंगे न्यूजीलैंड की टी-20 टीम के कप्तान

वेलिंगटन, 13 अक्टूबर। न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी-20 सीरीज के लिए मिशेल सैंटनर को टीम का कप्तान बनाया है और स्टार ऑलराउंडर रचिन रविंद्र को भी टीम शामिल किया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुसार रविंद्र चेहरे की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हालिया श्रृंखला से बाहर होने के बाद टीम में वापसी कर रहे हैं, जबकि सैंटनर हाल ही में हुई पेट की सर्जरी से उबर चुके हैं और शनिवार से क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में शुरू होने वाली तीन मैचों की श्रृंखला में टीम की कप्तानी करेंगे। गुरुवार को विदेश से लौटे विलियमसन टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से बाहर रहेंगे और 26 अक्टूबर से तौरंगा में इंग्लैंड के खिलाफ शुरू होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की उम्मीद है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रवींद्र की जगह आखिरी समय में टीम में आए जिमी नीशम को तेज गेंदबाज ऑलराउंडर के रूप में चुना गया है। उनके साथ जैकब डफी, जैक फॉल्क्स, मैट हेनरी और काइल जैमीसन जैसे तेज गेंदबाज भी होंगे। सेंटनर के साथ स्पिन विभाग में माइकल ब्रेसवेल शामिल होंगे। टिम सीफर्ट विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे।

राजस्थान के वुशू खिलाड़ी अर्केश्वर, रजत प्रकाश व भव श्रीमाली का भारतीय टीम में चयन

जयपुर, 13 अक्टूबर। अंतर्राष्ट्रीय वुशू महासंघ के तत्वावधान में दिनांक 14 से 20 अक्टूबर 2025 तक इमिशान, चीन में 10वी विश्व वुशू कुंगफु

प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। 10वी विश्व वुशू कुंगफु प्रतियोगिता में भाग लेने वाली भारतीय वुशू टीम में राजस्थान के तीन खिलाडी प्रतिनिधित्व करेंगे। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि 10वी विश्व वुशू कुंगफु प्रतियोगिता में भाग लेने वाली भारतीय टीम में राजस्थान के अर्केश्वर मेडतवाल, रजत प्रकाश गुप्ता व भव श्रीमाली भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। कोच राजेश कुमार टेलर ने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाली भारतीय वुशू टीम दिनांक 13 अक्टूबर को दिल्ली से रवाना हुई।

वीर शिवा क्लब और गेम चेंजर क्लब बने विजेता

जयपुर, 13 अक्टूबर। एसएमएस स्टेडियम पर आज संपन्न गुर इकबाल सिंह भुल्लर स्मृति शिक्षा साइट पुरुष। हॉकी प्रतियोगिता प्रतियोगिता का किताब वीर शिवा क्लब ने तथा। श्रीमती नरेंद्र कौर

भुल्लर स्मृति 6 साइड महिला हॉकी प्रतियोगिता का किताब गेम चेंजर क्लब ने जीता। पुरुष हॉकी का फाइनल बेहद रोमांचक रहा। विजेता टीम वीर शिवा क्लब के लिए एकमात्र गोल कप्तान कुलजीत सिंह ने तीसरे मिनट में किया। हालांकि उपविजेता टीम ब्लैक डायमंड क्लब ने गोल बराबरी के अथक प्रयास किया किंतु वह निष्फल के। महिला हॉकी वर्क का फाइनल। उतार चढ़ाव से भरा रहा। फाइनल में गेम चेंजर ने रेड रेंजर को तीन दो गोल से से हराया। विजय गोयल खेल के अंतिम चरणों में ही आया। विजेता गेम चेंजर के लिए प्रिय मनीष और रीना बलावत ने गोल किए। जबकि पराजित टीम रेड रेंजर के लिए तीन व पायल ने गोल धागे। पारितोषिक वितरण शरद मेहरा आइ. ए. एस. महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रा कान। राजस्थान ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जे. एस. सनधु पूर्व सीसीएस उत्तर पश्चिम रेलवे ने की। विशिष्ट अतिथि दिव्य शर्मा एमडी राष्ट्रदूत एवं डॉक्टर अनुराग शर्मा रहे। इस अवसर पर कई पूर्व एवं वर्तमान राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी भी उपस्थित रहे।

दूसरे टेस्ट में जीत के लिए भारत को 58 रनों की दरकार

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह (तीन-तीन) के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद केएल राहुल और साई सुदर्शन के शानदार बल्लेबाजी के दम पर भारत ने दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन सोमवार को स्टंप के समय एक विकेट पर 63 रन बना लिये और उसे अभी जीत के लिए 58 रनों की दरकार है। उसके पास अभी नौ विकेट शेष हैं।

चायकाल के बाद जस्टिन ग्रीव्स ने अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 85 गेंदों में तीन चौकों की मदद से 50 रन बनाये। 119वें ओवर की पांचवी गेंद पर जसप्रीत बुमराह ने जेडेन सील्स (32) को आउट कर 390 के स्कोर पर फालोऑन खेल रही वेस्टइंडीज की दूसरी पारी का अंत किया। भारत को जीत के लिए 121 रनों का लक्ष्य मिला। जस्टिन ग्रीव्स और जेडेन सील्स ने 10वें विकेट के लिए 79 रन जोड़े। इस जोड़ी ने 22 से अधिक ओवरों तक मिलकर बल्लेबाजी की।

इसके बाद 121 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की यशस्वी जयसवाल और केएल राहुल की सलामी जोड़ी ने नौ रन बनाये थे कि दूसरे ओवर में जोमेल वारिकन ने यशस्वी जयसवाल (आठ) को एंडरसन फिलीप के हाथों कैच आउट कराकर भारत को पहला झटका दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये साई सुदर्शन ने केएल राहुल के साथ दूसरे विकेट के लिए रन जोड़े। दिन का खेल समाप्त होने के समय भारत ने एक विकेट पर 63 रन बना लिये है और उसे जीत के लिए 58 रनों की जरूरत है। केएल राहुल (नाबाद 25) और साई सुदर्शन (नाबाद 30) क्रीज पर मौजूद हैं।

इससे पहले शाई होप ने भोजनकाल के बाद अपना शतक पूरा किया। इसके कुछ देर बाद मोहम्मद सिराज ने उन्हें बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। शाई होप ने 214 गेंदों में 12 चौके और दो छक्के लगाते हुए 103 रनों की पारी खेली। यह शाई होप ने टेस्ट करियर का तीसरा और भारत के खिलाफ यह उनका पहला टेस्ट शतक था। होप के बल्ले से आठ साल के इंतजार के बाद यह शतक आया है। उन्होंने आखिरी बार 2017 में शतक लगाया था।

इसके बाद कुलदीप यादव ने टेविन इमलाक (12), कप्तान रोस्टन चेज (40) और खारी पिएर (शून्य) को अपना शिकार बनाया। वहीं जोमेल वारिकन (तीन) को जसप्रीत बुमराह ने बोल्ड आउट किया। एंडरसन फिलीप (दो) को भी बुमराह ने आउट किया। चायकाल तक वेस्टइंडीज ने नौ विकेट पर 361 रन बना लिये थे। आज सुबह वेस्टइंडीज ने कल के दो विकेट पर 173 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में जॉन कैंपबेल ने छक्का लगाकर अपने टेस्ट करियर का पहला शतक पूरा किया। उन्होंने अपने शतक के लिए 174 गेंदों का सामना किया। इस दौरान नौ चौके और तीन छक्के लगाये। इसी के साथ वह सात साल बाद भारत के खिलाफ सेंचुरी लगाने वाले वेस्टइंडीज के पहले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले रोस्टन चेज ने यह कारनामा किया था। 64वें ओवर में रवींद्र जडेजा ने उन्हें पगबाधा आउटकर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। उन्होंने 199 गेंदों में 12 चौको और तीन छक्को की मदद से 115 रनों की पारी खेली।लंच के समय तक वेस्टइंडीज ने तीन विकेट पर 252 रन बनाये थे।

पोलो की दिल्ली में वापसी, पांच साल बाद भारत का सामना विश्व की नंबर 1 टीम अर्जेंटीना से

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। पांच साल के अंतराल के बाद, अंतर्राष्ट्रीय पोलो राजधानी में शानदार वापसी करने के लिए तैयार है। कोग्निवेरा आईटी सॉल्यूशंस, भारतीय पोलो संघ और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के सहयोग से, प्रतिष्ठित जयपुर पोलो ग्राउंड में भारत और अर्जेंटीना के बीच एक प्रतिष्ठित मुकाबले की मेजबानी करेगा।

वैश्विक पोलो की अग्रणी टीम अर्जेंटीना, अपने बेजोड़ घुड़सवारी और खेल में महारत के लिए प्रसिद्ध विश्व स्तरीय खिलाड़ियों के साथ आ रही है। टीम इंडिया के लिए, यह मुकाबला एक कठिन चुनौती और एक सुनहरा अवसर दोनों है, सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खुद को परखने और अंतर्राष्ट्रीय पोलो मंच पर भारत की स्थिति को फिर से मजबूत करने का एक मौका।

इस मैच का गहरा ऐतिहासिक महत्व है। यह मैच इतिहास में डूबा हुआ है। पोलो, जिसका जन्म 2,000 साल पहले भारत के मणिपुर में हुआ था, पश्चिम की ओर बढ़ा और अर्जेंटीना में विकसित हुआ।

इस अक्टूबर में, यह अपने जन्मस्थान पर लौटकर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों का सामना करेगा। भारत-अर्जेंटीना का यह मुकाबला एक खेल तमाशे से कहीं बढ़कर है; यह पोलो की विरासत, उत्कृष्टता और चिरस्थायी भावना का उत्सव होगा।

भारत की चुनौती का नेतृत्व विरासत, कौशल और युवाओं के मिश्रण वाली एक गतिशील चौकड़ी कर रही है:- **महाराजा पद्मनाभ सिंह** - शाही विरासत, भारतीय पोलो के वैश्विक राजदूत। **शमशीर अली** - निडर हमलावर और तीक्ष्ण रणनीतिक खेल। **सिमरन शेरगिल** - अनुभवी और लगातार विश्व कप प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ी। **सिद्धांत शर्मा** - भारतीय पोलो के भविष्य को आकार देने वाला उभरता सितारा।

कोग्निवेरा आईटी सॉल्यूशंस के एमडी और सीईओ कमलेश शर्मा ने इस आयोजन के पीछे के व्यापक दृष्टिकोण पर ज़ोर देते हुए कहा: "कोग्निवेरा में, हम हमेशा से तकनीक, नवाचार और अब खेल के माध्यम से सेतु बनाने में विश्वास करते रहे हैं। पोलो विरासत से कहीं बढ़कर है; यह दूरदर्शिता, सटीकता और टीम वर्क का प्रतीक है, ये वे मूल्य हैं जो हमारे संगठन को आगे बढ़ाते हैं। यह मैच वैश्विक पोलो जगत में भारत के स्थान को पुनर्जीवित करने, युवा प्रतिभाओं को प्रेरित करने, अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने और इस खेल को नए दर्शकों तक पहुंचाने के बारे में है। पोलो की शुरुआत भारत में हुई थी; अब समय आ गया है कि दुनिया इस पर फिर से ध्यान दे।" यह आयोजन भारत और अर्जेंटीना के बीच संस्कृति, सौहार्द और साझा जुनून का मिश्रण करते हुए एक जीवंत सामाजिक उत्सव होने का भी वादा करता है।

अरशद नदीम के कोच पर लगा आजीवन बैन

पाकिस्तान के एथलेटिक्स महासंघ ने लिया फैसला

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। पाकिस्तान के शीर्ष भाला फेंक एथलीट अरशद नदीम के लंबे समय से कोच सलमान इकबाल पर रविवार को देश के एथलेटिक्स महासंघ ने पंजाब एथलेटिक्स संघ के संविधान का उल्लंघन करने के आरोप में आजीवन प्रतिबंध लगा दिया। वह इस संघ के अध्यक्ष हैं।आजीवन प्रतिबंध के तहत इकबाल किसी भी एथलेटिक्स गतिविधि में भाग नहीं ले सकते और कोचिंग भी नहीं दे सकते हैं और किसी भी स्तर पर कोई पद पर काबिज नहीं हो सकते हैं। पाकिस्तान एमेच्योर एथलेटिक्स

महासंघ ने इकबाल पर पंजाब संघ के चुनाव कराकर उल्लंघन करने का आरोप लगाया है, जो अगस्त में हुए थे।

सितंबर में एक जांच समिति का गठन किया गया था और इसने पाकिस्तान खेल बोर्ड को दिए गए उनके जवाब के एक दिन बाद 10 अक्तूबर को इकबाल पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी। ये फैसला हाल में इकबाल द्वारा पीएसबी को भेजे गए जवाब से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है, जिसमें उन्होंने उनसे टोक्यो में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में नदीम के खराब प्रदर्शन के बारे में स्पष्टीकरण मांगा था। पीएसबी ने भाला फेंक खिलाड़ी की ट्रेनिंग और यात्रा पर हुए खर्च के बारे में भी जानकारी मांगी थी।

इकबाल ने अपने जवाब में कहा कि, अरशद की तैयारियों में पिंडली की मांसपेशियों की समस्या के कारण हुई सर्जरी के कारण बाधा आई। टोक्यो में ट्रैक हार्ड था।

14 साल के सूर्यवंशी बने बिहार रणजी टीम के उपकप्तान

पटना, 13 अक्टूबर। वैभव सूर्यवंशी को बुधवार से शुरु हो रहे रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन के शुरुआती दो राउंड्स के लिए बिहार की टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। टीम की कमान साकिबुल गनी को दी गई है। सीजन के शुरु होने से दो दिन पहले यह घोषणा हुई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के आदेश के बाद बिहार क्रिकेट एसोसिशन को दो सदस्यीय चयन समिति में एक अस्थायी चयनकर्ता को जोड़ना पड़ा। बीसीबी को जल्द पांच सदस्यीय चयन समिति गठित करने का निर्देश दिया गया है। सूर्यवंशी की यह नियुक्ति उनकी शानदार फॉर्म के कारण हुई है। उन्होंने हाल ही में भारत अंडर-19 टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शीर्षक्रम में तेज शुरुआत दी। उन्होंने ब्रिसबेन में पहले चार दिवसीय मैच में 78 गेंदों में शतक जड़ा और तीन पारियों में 133 रन बनाए।

आईओए ने पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए पदक जीतने वालों को सम्मानित किया

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने सोमवार को नई दिल्ली के ताज मान सिंह होटल में 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों के भारत के लिए पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए एक विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया। इस समारोह में आईओए अध्यक्ष डॉ. पी.टी. उषा, माननीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, स्पांसर और खेल जगत के सदस्य उपस्थित थे। इस समारोह में उन भारतीय एथलीटों का सम्मान किया गया जिन्होंने इन खेलों में अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन से देश को गौरव और प्रेरणा दी। भारत ने पेरिस 2024 में अपना अभियान छह पदकों (एक रजत और पांच कांस्य) के साथ समाप्त किया था। नीरज चोपड़ा ने पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतकर टोक्यो ओलंपिक में अपने गौरव को और बढ़ाया। इससे विश्व मंच पर उनका दबदबा और भी मज़बूत हुआ। निशानेबाज मनु भाकर ने दो कांस्य पदक (एक महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में और दूसरा सरबजोत सिंह के साथ मिश्रित टीम वर्ग में) जीते। इसके अलावा स्वप्निल कुसाले ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोज़िशन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया था जबकि युवा पहलवान अमन सहरावत ने पुरुषों की 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत के सबसे कम उम्र के ओलंपिक पदक विजेताओं में से एक बन गए। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने भी पोडियम पर वापसी की और तीसरे स्थान के मैच में स्पेन पर 2-1 से जीत के साथ अपने मजबूत अभियान के बाद कांस्य पदक जीता।

चतुर्थ डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता

जयपुर, 13 अक्टूबर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज से एन.बी. क्रिकेट ग्राउण्ड जगतपुरा में प्रारम्भ चतुर्थ डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज खेले गये उद्घाटन मुकाबले में एलिट स्पोर्टस एकेडमी ने मनीष शर्मा 60 रन नाबाद (25 गेंद, 4 चौके, 6 छक्के) तथा 18 रन पर 4 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन तथा जसविंदर सिंह की घातक गेंदबाजी 19 रन पर 5 विकेट जिसमें हैट्रिक भी शामिल है की बदौलत मंगलम क्रिकेट एकेडमी को 7 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुये मंगलम क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये विशाल शर्मा 60 रन (54 गेंद, 7 चौके, 2 छक्के) की पारी के बावजूद जसविंदर सिंह 19 रन पर 5 विकेट तथा मनीष शर्मा 18 रन पर 4 विकेट की घातक गेंदबाजी के समक्ष 18.5 ओवर में मात्र 103 रन पर ही समेट दिया। जिसमें जसविंदर सिंह द्वारा ली गई हैट्रिक भी शामिल है। जवाबी पारी में एलिट स्पोर्टस एकेडमी ने मनीष शर्मा 60 रन नाबाद (25 गेंद, 4 चौके, 6 छक्के) की आतिशी पारी की बदौलत विजय लक्ष्य 104 रन 3 विकेट मात्र 9.5 ओवर में ही हासिल कर 7 विकेट से शानदार जीत दर्ज की। इससे पूर्व आज आर.सी.ए. के पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष जेडीसीए के पूर्व अध्यक्ष तथा मैत्री क्रिकेट क्लब के अध्यक्ष डॉ. बी.आर. सोनी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच मनीष शर्मा एलिट स्पोर्टस एकेडमी रहे।

एआईएफएफ ने लिया बड़ा फैसला

दो विवादित धाराओं को छोड़कर अपनाया सुप्रीम कोर्ट का संविधान

नई दिल्ली, 13 अक्टूबर। दो विवादास्पद अनुच्छेदों को छोड़ कर अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने सुप्रीम कोर्ट के संविधान को अपनाया है। दरअसल, 12 अक्तूबर को अपनी विशेष बैठक में सुप्रीम कोर्ट द्वारा मंजूर संविधान को अपनाया लेकिन उन दो विवादास्पद अनुच्छेदों को छोड़ दिया जो अदालत के निर्देश पर लंबित हैं। उच्चतम न्यायालय ने 19 सितंबर को न्यायधीश एल नागेश्वर राव द्वारा तैयार किए गए एआईएफएफ के संविधान के मसौदे को कुछ संशोधनों के साथ मंजूरी दे दी थी। उच्चतम न्यायालय ने तब महासंघ को इसे चार हफ्तों के भीतर अपनाने का निर्देश दिया था। हालांकि, संविधान के मसौदे के दो अनुच्छेद शीर्ष पदाधिकारियों के लिए सिरदर्द बन गए थे।

एडहॉक कमेटी ने जोधपुर जिला क्रिकेट संघ की मान्यता को रद्द किया

जयपुर, 13 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का सियासी घमासान लगातार बढ़ता जा रहा है। एडहॉक कमेटी के कन्वीनर दीनदयाल कुमावत ने धनंजय सिंह खींवसर की अध्यक्षता वाले जोधपुर जिला क्रिकेट संघ की मान्यता को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही दीनदयाल कुमावत ने कमेटी के तीन और सदस्यों के खिलाफ लोकपाल में आरसीए के संविधान के खिलाफ काम करने को लेकर शिकायत की है। ऐसे में तीन और जिला क्रिकेट संघ पर अब जांच के साथ कार्रवाई की तलवार लटक गई है। इनमें प्रतापगढ़ के पिंकेश जैन, अलवर के मोहित यादव और सीकर के आशीष तिवाड़ी शामिल हैं। दीनदयाल कुमावत ने एडहॉक कमेटी के चार सदस्यों की बैठक को अवैध बताया और उसके फैसलों को बेबुनियाद बताते हुए प्रभावहीन (लागू नहीं होंगे) करार दिया। इसके बाद एक बार फिर राजस्थान में क्रिकेट की लड़ाई मैदान से बाहर आ गई है। दीनदयाल कुमावत ने कहा, राजस्थान खेल अधिनियम 2005 और आरसीए संविधान के अनुसार किसी भी बैठक को आहुत करने का अधिकार केवल संयोजक या अध्यक्ष के पास होता है। ऐसी किसी बैठक के लिए अति आवश्यक परिस्थितियों में भी लिखित आवेदन और कारण बताना अनिवार्य है। लेकिन इस मामले में ऐसा कोई आवेदन या सूचना नहीं दी गई। कुमावत ने आरोप लगाया कि यह बैठक उनकी जानकारी और सहमति के बिना, पीठ पीछे आयोजित की गई है, इसलिए इस तथाकथित बैठक में पारित सभी प्रस्ताव पूर्णतः शून्य, आधारहीन और प्रभावहीन हैं।

सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं : धनंजय

सरकार द्वारा गठित एडहॉक समिति में मुझे सरकार के निर्देशानुसार सदस्य स्वरूप महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसका निर्वहन मैं आज भी पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता और ईमानदारी से कर रहा हूँ। मैं एवं मेरे साथ समिति के चार सदस्यगण, संयोजक दीनदयाल कुमावत द्वारा लिए गए गलत निर्णयों और भ्रष्टाचारपूर्ण कार्यप्रणाली के विरुद्ध पहले ही आपत्ति दर्ज करा चुके हैं, क्योंकि सत्य के पक्ष में खड़े रहना सदैव आवश्यक होता है। मैंने हमेशा सही व्यवस्था और पारदर्शी प्रक्रिया का समर्थन किया है और भविष्य में भी करता रहूँगा। आज शाम जो घटना हुई, उसमें राजनीतिक द्वेषता से प्रेरित होकर एडहॉक समिति के कन्वीनर दीनदयाल कुमावत द्वारा जोधपुर जिला क्रिकेट संघ की मान्यता रद्द करने की घोषणा की गई है, जो पूर्णतया असंवैधानिक है। मैं आपको सूचित करना चाहता हूँ कि एडहॉक समिति के पूर्ण बहुमत के बिना किसी भी जिला क्रिकेट संघ की मान्यता रद्द करने का अधिकार कन्वीनर के पास नहीं है। मैं पुनः स्पष्ट करना चाहता हूँ कि खेल नीति और आरसीए के संविधान के अनुसार जोधपुर जिला क्रिकेट संघ आज भी पूर्ण मान्यता प्राप्त एवं वैध है। इसकी मान्यता रद्द होने की खबर सिर्फ मेरी आवाज दबाने का एक प्रयास है और दीनदयाल कुमावत द्वारा लिखा गया पत्र और निर्णय पूर्णतया अवैध है। जहां भी क्रिकेट का अहित होगा, किसी भी निर्णय में अपारदर्शिता और भ्रष्टाचार होगा उसके खिलाफ मेरी आवाज सदैव मुखर रहेगी।

बीसीसीआई वीनू मांकड़ अंडर-19 ट्रॉफी में राजस्थान ने उत्तर प्रदेश को 2 विकेट से हराया

राजस्थान के जीत में हनी प्रताप सिंह, भव्य राज, हर्ष दगडी का शानदार प्रदर्शन, बीसीसीआई सीनियर वीमेन टी 20 ट्रॉफी (राजस्थान - महाराष्ट्र मैच)

जयपुर, 13 अक्टूबर। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावत के अनुसार बीसीसीआईकी रांची में खेली जा रहे वीनू मांकड़ ट्रॉफी में राजस्थान ने हनी प्रताप सिंह, भव्य राज व हर्ष दगडी के शानदार प्रदर्शन की सहायता से उत्तर प्रदेश को 2 विकेट से हराया।

वीनू मांकड़ अंडर 19 ट्रॉफी राजस्थान - असम मैच

उत्तर प्रदेश पारी 238 आल आउट

टीम के लिए कार्तिकेय 48 व शांतनु 45 रन, राजस्थान के गेंदबाज हनी प्रताप सिंह 48 /5 व भव्य राज 35 /4 विकेट, राजस्थान पारी 239/8, टीम के लिए हर्ष दगडी 61, शिफॉन 36, जयवर्धन 31 रन, उत्तर प्रदेश के गेंदबाज आदित्य, आयन 2 -2 विकेट।

बीसीसीआई सीनियर वीमेन टी 20 ट्रॉफी राजस्थान - महाराष्ट्र मैच :- महाराष्ट्र पारी 144 /7, टीम के लिए ऐ पाटिल 52, ईश्वरी 45 रन, राजस्थान की गेंदबाज सोनल कलाल 20 /3 व सुमन मीणा 21 /2 विकेट, राजस्थान पारी 100 /7, टीम के लिए कौशल्या चौधरी नाबाद 40, सुमन मीणा 21 व डिंपल कँवर 16 रन, महाराष्ट्र की गेंदबाज दयांशवारी, ऐ पाटिल, एम् मगरी 2 -2 विकेट। राज्य स्तरीय अंडर 16 ट्रॉफी प्री क्वाटर फाइनल मैच :- जयपुर - अजमेर (जयपुर 8 विकेट से जीती), अजमेर पारी 151/9, जयपुर पारी 152 /2, जयपुर के गौरव सैनी 91 रन

राजसमंद - नागौर (राजमसंद 63 रन से जीती), राजसमंद पारी 259/9, नागौर पारी 191 आल आउट, श्रीगंगानगर - डूंगरपुर (श्रीगंगानगर 164 रन से जीती), श्रीगंगानगर पारी 237 आल आउट (हर्ष 59 रन), डूंगरपुर पारी 73 आल आउट, श्रीगंगानगर के गेंदबाज आदित्य बागड़ा 13 /4, हनुमानगढ़ - उदयपुर (हनुमानगढ़ 102 रन से जीती), हनुमानगढ़ पारी 269 आल आउट, आदित्य 111 रन, उदयपुर पारी 167 आल आउट, भीलवाड़ा - टोंक (टोंक 9 विकेट से जीती), भीलवाड़ा पारी 94 आल आउट, टोंक पारी 95/1, जैसलमेर - चूरू (जैसलमेर 49 रन से जीती), जैसलमेर पारी 187 /8, चूरू पारी 138 आल आउट, बीकानेर - सीकर (सीकर 4 विकेट से जीती) स्वास्तिक चौधरी 46 /5, बीकानेर पारी 207 आल आउट, सीकर पारी 211 /6, भरतपुर - बाड़मेर (बाड़मेर 1 विकेट से जीती), भरतपुर पारी 175 आल आउट, बाड़मेर पारी 179 /8, स्वरुप 88 रन।

पूर्व छात्रों ने पोलो, गोल्फ, क्रिकेट, फुटबॉल और पिकलबॉल प्रतियोगिता में लिया हिस्सा

जयपुर, 13 अक्टूबर। मेयो कॉलेज, अजमेर की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित भव्य समारोह की श्रृंखला के अंतर्गत, जयपुर चैप्टर द्वारा पूर्व छात्रों के लिए एक विशेष खेल उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पोलो, गोल्फ, क्रिकेट, फुटबॉल और पिकलबॉल जैसी विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने के लिए देशभर से पूर्व छात्र उत्साहपूर्वक जयपुर में एकत्र हुए। रामबाग गोल्फ क्लब में 30 से अधिक पूर्व छात्रों ने हिस्सा लिया। वेटरन कैटेगरी में विक्रम आदित्य सिंह विजेता रहे, जबकि नागेश शर्मा उपविजेता बने। वहीं, 0-9 कैटेगरी में रजत करवासरा विजेता रहे और वेदांत सिंह उपविजेता। इसी प्रकार, 10-18 कैटेगरी में सम्रिमजय सिंह विजेता रहे और एस.पी. सिंह उपविजेता। सिद्धार्थ जैन ने 262 यार्ड की लॉन्गेस्ट ड्राइव मारी, जस्मीत सोढ़ी ने 9 फीट पर क्लोज़ेस्ट टू द पिन जीता, और एस.पी. सिंह ने 10 फीट 4 इंच पर स्ट्रेटेस्ट ड्राइव अपने नाम की। बेस्ट गोल्फर ओवरऑल का सर्वोच्च सम्मान सिद्धार्थ शर्मा को 74 के स्कोर के साथ प्राप्त हुआ। जयपुरिया क्रिकेट अकादमी में मेयो एलुमनाई ईस्ट ने क्रिकेट ट्रॉफी जीती। उदय तोतुका, संजय जोशी, संयम अग्रवाल और वेदांग अग्रवाल (फाइनल) को उनके संबंधित खेलों में मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। राघवेंद्र हर्ष की निरंतर बेहतरीन बल्लेबाज़ी ने उन्हें बेस्ट बैट्समैन और मैन ऑफ द सीरीज़ दोनों का खिताब दिलाया, जबकि दुष्यंत राठौड़ बेस्ट बॉलर और सुदीप्तो बोस ने बेस्ट फील्डर का टाइटल जीता।

ग्रामीण बैंक प्रबंधक के लिये 45 हजार रूपये की रिश्वत लेते दलाल गिरफ्तार

आरोपी प्रबंधक राजस्थान ग्रामीण बैंक शाखा मेताली जिला डूंगरपुर को भी डिटेन किया

एसीबी की टीम ने दलाल को गिरफ्तार कर प्रबंधक को डिटेन किया। (गोले में)

■ किसान क्रेडिट कार्ड पर ऋण के एवज में 50 हजार रिश्वत राशि मांगी थी

डूंगरपुर, (निसं)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर एसीबी चौकी भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, डूंगरपुर द्वारा सोमवार को कार्रवाई करते हुये आरोपी अभिमन्यु कुमार सिंह, प्रबंधक राजस्थान ग्रामीण बैंक शाखा मेताली जिला डूंगरपुर के लिए दलाल भूपेन्द्र कुमार परमार बैंक मित्र मुख्य शाखा राजस्थान ग्रामीण बैंक डूंगरपुर को परिवादी से 45 हजार रूपये रिश्वत राशि लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि एबसीबी चौकी भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, डूंगरपुर को 7 अक्टूबर को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी व उसके भाई एवं मां के नाम से राजस्थान ग्रामीण बैंक शाखा मेताली से कृषि भूमि के लिए किसान क्रेडिट कार्ड पर ऋण लेने के लिए अलग-अलग कुल 11 लाख रूपये के ऋण के लिए आवेदन किया था, जो ऋण पास कराने के लिए परिवादी बैंक मैनेजर अभिमन्यु कुमार सिंह से मिला तो परिवादी के ऋण के 2 लाख रूपये दिये व 2 लाख रूपये बाकी रखे व कहा कि तुम्हारे परिवार वालों के मैने जो 11 लाख रूपये का ऋण पास किया है उसके लिए मैं पचास हजार रूपये लूंगा, जो 50 हजार रूपये लेने के लिए मेरे मिलने वाले व्यक्ति का आपके पास फोन आयेगा उसे दे देना। बैंक मैनेजर द्वारा परिवादी का ऋण स्वीकृत करने की एवज में 50 हजार रूपये कि रिश्वत की मांग की जा रही है। जिस पर एसीबी रेंज उदयपुर के प्रहलाद सिंह कृष्णिया, उप महानिरीक्षक पुलिस के सुपरविजन में एसीबी डूंगरपुर के रतनसिंह राजपुरोहित पुलिस उप अधीक्षक के निर्देशन में राजेन्द्रसिंह, पुलिस निरीक्षक मय टीम द्वारा ट्रेप कार्रवाई को अंजाम देते हुए आरोपी अभिमन्यु कुमार सिंह हाल प्रबंधक राजस्थान ग्रामीण बैंक शाखा मेताली जिला डूंगरपुर के लिए दलाल भूपेन्द्र कुमार हाल बैंक मित्र मुख्य को परिवादी से अपनी मांग अनुसार 45 हजार रूपये रिश्वत राशि लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार कर रिश्वत राशि बरामद की गई व आरोपी अभिमन्यु कुमार सिंह, प्रबंधक राजस्थान ग्रामीण बैंक शाखा मेताली जिला डूंगरपुर को भी डिटेन कर लिया है। एसीबी द्वारा आरोपियों से पूछताछ तथा अग्रिम कार्रवाई जारी है।

कार और ट्रक की टक्कर में दो जनों की मौत, तीन घायल

एक कार चालक की ड्राइविंग सीट पर ही जिंदा जलने से मौत हो गई

■ प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सभी यात्री लूणकरणसर क्षेत्र के निवासी थे और बाड़मेर की ओर जा रहे थे

बीकानेर, (निसं)। जिले में सोमवार को एक दिलदहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। नापासर थाना क्षेत्र के अंतर्गत भारतमाला रोड पर रायसर के पास एक अर्टिगा कार और ट्रक के बीच भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। मृतकों में से एक कार चालक की ड्राइविंग सीट पर ही जिंदा जलने से मौत हो गई, वहीं एक अन्य घायल ने बीकानेर के पीबीएम ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सभी यात्री लूणकरणसर क्षेत्र के निवासी थे और बाड़मेर की ओर जा रहे थे।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार यह हादसा सुबह के समय हुआ जब बाड़मेर से लूणकरणसर की ओर जा रही एक अर्टिगा कार तेज रफ्तार में भारतमाला रोड पर आगे चल रहे एक ट्रक से पीछे से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में तत्काल आग लग गई। आग की चपेट में आने से कार चालक ड्राइविंग सीट पर ही जिंदा जल गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही नापासर थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किए। पुलिस ने घायलों को तत्काल बीकानेर के पीबीएम ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया, जहां गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, अर्टिगा कार में कुल छह लोग सवार थे, जिनमें तीन महिलाएं शामिल थीं। इनमें जमना, ज्योति और संतोष के नाम सामने आए हैं। संतोष की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि जमना और ज्योति सहित अन्य घायलों का इलाज चल रहा है। एक अन्य घायल रामचंद्र और दिनेश भी गंभीर हालत है। कार चालक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, क्योंकि वह हादसे में पूरी तरह जल गया।

टोंक में विभिन्न प्रकरणों में दो आरोपी को गिरफ्तार : थानाधिकारी मेहन्दवास के द्वारा गठित टीम ने नाकाबंदी के दौरान उस्मानपुरा कट सोनवा टोल प्लाजा के पास एनएच 52 पर एक संदिग्ध से पूछताछ के बाद डिटेन कर संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर एवं मादक पदार्थ में लिप्त पाये जाने जाने पर आरोपी महेन्द्र गुर्जर पुत्र रमेश चन्द गुर्जर निवासी हमीदपुरा थाना बरोनी को गिरफ्तार किया गया। इस दौरान आरोपी की तलाशी लेने पर पेंट की जेब से 25 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक मिलने पर जब्त कर उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया जाकर अनुसंधान शुरू किया गया। वहीं मेहन्दवास पुलिस टीम ने अरनियानील से करीमपुरा जाने वाली रोड पर अवैध टोपीदार एकनाली बदूंक ले जाते पाये जाने पर आरोपी केसरा मोग्या पुत्र भूरा मोग्या को गिरफ्तार कर बंदूक जब्त की।

अजमेर शहर कांग्रेस अध्यक्ष का निर्णय सचिन पायलट पर छोड़ा, प्रस्ताव पास

अजमेर उत्तर एवं दक्षिण विधानसभा के नेताओं, कार्यकर्ताओं ने बैठक में अजमेर से सांसद रहे सचिन पायलट में विश्वास जताया

■ कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के केंद्रीय पर्यवेक्षक अशोक तंवर के सानिध्य में नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित हुई

अजमेर, (कासं)। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के केंद्रीय पर्यवेक्षक अशोक तंवर के सानिध्य में अजमेर दक्षिण एवं उत्तर विधानसभा के सैकड़ों की संख्या में नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं की बैठक जयपुर रोड स्थित एक वाटिका में आयोजित हुई। बैठक में मौजूद समस्त कांग्रेस जनों ने महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया, जिसमें एआईसीसी के राष्ट्रीय महासचिव और अजमेर लोकसभा से सांसद रह चुके सचिन पायलट अजमेर शहर कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए जो भी नाम प्रस्तावित करेंगे, वह हम सबके लिए सर्व मान्य होगा। जिस पर बैठक में मौजूद सैकड़ों की संख्या में मौजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों ने हाथ खड़े कर एक सुर में पायलट के पक्ष में अपना विश्वास व्यक्त किया और सचिन पायलट जिंदाबाद के नारों से बैठक स्थल गूंजायमान हो गया। बैठक में तंवर का पूर्व शहर कांग्रेस अध्यक्ष विजय जैन, उत्तर विधानसभा प्रत्याशी महेंद्र सिंह रलावता, दक्षिण विधानसभा से पीसीसी सदस्य हेमंत भाटी ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।

तंवर ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि एआईसीसी का यह अभियान कांग्रेस संगठन को पुनर्गठित, सक्रिय और जनसरोकारों से जुड़ा बनाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। अजमेर जिले में इस अभियान से पार्टी को स्थानीय कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ाने और आंतरिक संवाद मजबूत करने की दिशा में बल मिलेगा। अभियान का मकसद जिला कांग्रेस कमेटियों से लेकर बूथ स्तर तक पार्टी को सक्रिय करना और संगठन को जवाबदेही के नए पैमाने पर खड़ा करना है।

शिक्षक के घर हुई चोरी का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने डूंगरपुर शहर के शिवाजी नगर में एक शिक्षक के सूने घर में हुई चोरी की वारदात का सोमवार को खुलासा करते हुए पुलिस ने एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी सूने घर से 2.20 लाख नगद और 2.50 लाख के जेवर चोरी कर ले गया था। पूछताछ में आरोपी ने चोरी एक और वारदात कबूली है।

कोतवाली थाने के थानाधिकारी शैलेन्द्रसिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र में शिवाजी नगर भू-जल विभाग के पीछे निवासी उमेश त्रिवेदी सरकारी शिक्षक है। उनकी ड्यूटी डूंगरपुर एसडीएम ऑफिस में है। आठ अक्टूबर को उमेश ड्यूटी पर गए थे। पत्नी प्राइवेट स्कूल में पढ़ाने गई थी। वहीं, बच्चे भी स्कूल गए थे। उमेश दोपहर के समय जब घर आया तो घर के ताले टूटे हुए थे। चोर घर के अंदर अलमारी खोलकर उसमें से 2 लाख 20 हजार का कैश और 2 तोला के जेवर चुरा ले गए थे। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। इस दौरान पूर्व में चालानशुदा एक आरोपी की गतिविधियां संदिग्ध लगी। जिस पर पुलिस ने भाटपुर निवासी लोकेश उर्फ चौधरी पुत्र देवीलाल डामोर को डिटेन कर पूछताछ शुरू की। पूछताछ में लोकेश ने उक्त वारदात को करना कबूल किया। जिस पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया। वहीं,पूछताछ में आरोपी के खिलाफ कई ओर मामले भी दर्ज हैं। खेडा गांव में भी चोरी की एक अन्य वारदात को भी कबूल किया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

Government of Rajasthan
Office of the DSO CHURU
Email:-dsofood-chu-rj@nic.in Phone No.: 01562-250927
F()/PDS/Tender/2025-26/5978 Date:-07/10/2025
NOTICE INVITING BID
e-Bids for selection of Handling and Transportation of Food grains Under PDS from FCI Depots in District Churu were invited from interested bidders up to 27.10.2025Till 6.00PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://eproc.rajasthan.gov.in or http://sppp.rajasthan.gov.in of the state, The approximate value of the procurement is Rupees 3.9 Crore for One year.
NIB No. : CCH2526A 0010
UBN No. :- CCH 2526SL0B00017
ANSHU TIWARI
District Supply Officer
Churu
DIPR/C/14978/2025

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER, P.W.D., CIRCLE-JHALAWAR
Room No.158, Ground Floor (Public Works Department), Mini Secretariat, Jhalawar
E-mail: piu jhalawar@rediffmail.com/sejwar.pwd@rajasthan.gov.in, Phone No.: 07432-233336
S. No. :- 817 NIT No. 09/2025-26 Date: 03.10.2025
Notice Inviting Bid
NIB No. PWD202526A3668
Bids for "Construction of Non-patchable & Missing link Roads in Dist. Jhalawar in compliance with point number 17 of the Budget Announcement for the year 2025-26" are invited from interested bidders upto 6.00 PM, Dated 30.10.2025 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://erpoc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the Rajasthan http://pwd.rajasthan.gov.in website. The approximate value of the procurement is Rs. 180.18 Lacs. and
UBN No.-PWD2526WSOB13818
(Mukesh Chand Meena)
Superintending Engineer
Public Works Department
Circle-Jhalawar
DIPR/C/14903/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड कोटडा, उदयपुर
क्रमांक-630 NIT No. 12/2025-26 दिनांक-03.10.2025
Notice Inviting Bid
Bids for "Various Road's Construction, Renewal, Strengthening Works in various schemes in District Udaipur (Raj.) are invited from interested bidders upto 6.00 PM, Dated 20.10.2025 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://erpc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the Rajasthan and http://pwd.rajasthan.gov.in website. The approximate value of the procurement is Rs. 143.68 Lacs.
NIB:- PWD2526A3695
UBN No. 1:-PWD2526WSOB13909
UBN No. 2:-PWD2526WSOB13911
(Vijay Kumar Meena)
Executive Engineer
Public Works Department
Division Kotra Udaipur
DIPR/C/14879/2025

सरकारी स्कूलों में अब कोचिंग जैसे रिवीजन मॉडल पर जोर रहेगा

■ शिक्षा विभाग ने निर्देश जारी किए हैं कि सभी स्कूलों में 15 नवंबर तक पाठ्यक्रम पूरा कर लिया जाए

■ पाठ्यक्रम पूरा होने पर दिसंबर में होने वाली अर्द्धवार्षिक परीक्षा से पहले रिवीजन कराया जा सके

बीकानेर, (निसं)। कोचिंग सेंटरों की तर्ज पर अब सरकारी स्कूलों में भी रिवीजन पर जोर रहेगा। शिक्षा विभाग ने निर्देश जारी किए हैं कि सभी स्कूलों में 15 नवंबर तक पूरा पाठ्यक्रम पूरा कर लिया जाए, ताकि दिसंबर में होने वाली अर्द्धवार्षिक परीक्षा से पहले रिवीजन कराया जा सके।

शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि नियमित अध्ययन और पुनरावृत्ति से विद्यार्थियों की शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार होता है। रिवीजन केवल याद करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि समझ को गहरा करने और ज्ञान को लंबे समय तक बनाए रखने का प्रभावी तरीका है। रिवीजन के दौरान विद्यार्थी अपनी कमजोरियों को पहचान सकते हैं और उनमें सुधार कर सकते हैं। इससे आत्मविश्वास बढ़ता है और परीक्षा के समय तनाव व घबराहट कम होती है। आदेश में कहा गया है कि जब विद्यार्थी किसी विषय की बार-बार पुनरावृत्ति करते हैं, तो वह जानकारी अल्पकालिक स्मृति से निकलकर दीर्घकालिक स्मृति में स्थायी रूप से दर्ज हो जाती है।

इससे परीक्षा के समय उत्तर तेजी और सटीकता से दिए जा सकते हैं। सभी शिक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 15 नवंबर तक अपने-अपने विषयों का पाठ्यक्रम पूरा करें, ताकि इसके बाद केवल रिवीजन सत्र पर ध्यान केंद्रित किया जा सके। रिवीजन के दौरान कठिन विषयों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़े और कमजोर विषयों में भी वे बेहतर प्रदर्शन कर सके। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि गत शिक्षा सत्र में राज्य स्तरीय समान परीक्षा से संबंधित जो नीलपत्र और दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, वे इस सत्र में भी यथावत रहेंगे। सभी विद्यालयों को इन निर्देशों के अनुरूप तैयारी करने और परीक्षा पूर्व रिवीजन की ठोस व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है।

सेवा शिविर में रिश्वत लेते राजस्व निरीक्षक गिरफ्तार

आरोपी रामहेत बैरवा राजस्व निरीक्षक।

■ पट्टा बनाने के नाम पर परिवादी से 12 हजार रुपए की रिश्वत ली

राजगढ़, (निसं)। पालिका प्रशासन की ओर से सेवा शिविर में पट्टा बनाने के नाम पर परिवादी से 12 हजार रुपए की रिश्वत लेते रामहेत बैरवा राजस्व निरीक्षक को एसीबी के एएसपी महेंद्र मीणा ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

प्रकरण के अनुसार परिवादी की और से कस्बे के रेबारपुरा राजगढ़ मे 242 वर्ग गज प्लाट का पट्टा बनाने के लिए 3 अक्टूबर को 75978 की राशि जमा कराई। इसके बाद भी पट्टा नहीं बनाने पर 9 अक्टूबर को परिवादी रामहेत बाबू से मिला, तो उसने पत्नी के नाम पट्टा जारी करने एवं भूमि का कन्वर्जन आदेश जारी करने के नाम पर 15 हजार की रिश्वत की मांग की। इस पर आरोपी की ओर से तीन हजार रुपए 10 अक्टूबर को रिश्वत माग़ कर वसूली की।

शिकायत का सत्यापन होने के बाद आरोपी की ओर से पट्टे के नाम पर दस हजार रुपए एवं कन्वर्जन के नाम पर दो हजार रुपये सहित 12 हजार रिश्वत की मांग करना स्पष्ट पाया गया। इस पर ट्रेप की कार्रवाई का आयोजन किया गया, जिसमें आरोपी रामहेत बैरवा राजस्व निरीक्षक भूमि शाखा नगर पालिका राजगढ़ की बाई जेब टी-शर्ट से परिवादी की ओर से दी गई रिश्वत की राशि बरामद की। एसिबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के निर्देश पर एसीबी चौकी अलवर प्रथम के राजेश सिंह महानिरीक्षक के सुपरविजन मैं कार्रवाई से शिविर में हड़कंप मच गया।

नगर निगम जोधपुर-दक्षिण
क्रमांकः- एफ.10/2025-26/5239 दिनांकः- 07.10.2025
:: अल्पकालीन ई-निविदा सूचना ::
(UBN NO. DLB2526WSOB20996)
नगर निगम जोधपुर-दक्षिण की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यो की विस्तृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है।
महापौर आयुक्त
नगर निगम जोधपुर-दक्षिण नगर निगम जोधपुर-दक्षिण
राज.संवाद/सी/25/12028

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राजस्थान) फैक्स :- 0151-2226906, फोन :- 0151-2226902, 0151-2226905
E-Mail Address :- nagarnigambikaner@gmail.com, Web Site :- www.bikanermc.org
क्रमांक/निर्माण/2025-26/17092 दिनांक 08.10.2025
ई- निविदा-सूचना सं0 132/2025-26
नगर निगम बीकानेर की ओर से विभिन्न कार्यो (कुल 01 कार्य) के लिये केन्द्र व राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों में "ऐऐ", "ऐ" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम में उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत निविदादाताओं से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूमेंट प्रक्रिया से ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.bikanermc.org Web site www.SPPP.raj.nic.in से व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
निविदा की कुल लागत 14.43 लाख
UBN Number DLB2526WSOB21171
आयुक्त
नगर निगम, बीकानेर
राज.संवाद/सी/25/12032

ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक को मारी टक्कर, एक की मौत

मृतक फाइल फोटो

■ युवक सुबह अपने घर बीछावाला से पालड़ी तिराहे की तरफ कोचिंग के लिए आ रहा था, रास्ते में हादसा हुआ

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना क्षेत्र के पालड़ी तिराहे के पास ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक सवार की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई।

मेड चौकी प्रभारी विनोद चेची ने दर्ज मामले के आधार पर बताया कि विकास गुर्जर (20) सुबह अपने घर बीछावाला से पालड़ी तिराहे की तरफ कोचिंग के लिए आ रहा था तभी साइड में आ रहे ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने बाइक सवार को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार विकास गुर्जर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना स्थल पर मौजूद विक्रम गुर्जर ने बताया कि बाइक सवार अपनी साइड से सही तरह से आ रहा था। साइड से ओवरलोड ईंटों से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने लापरवाही से रोड पर चढ़ाते हुए बाइक सवार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी की बाइक सवार युवक का बैग दूर जाकर खेतों में गिर गया और युवक ट्रैक्टर से थोड़ी दूर तक घसीटा हुआ चला गया और युवक की ट्रैक्टर के टायर नीचे आने से मौके पर मौत हो गई। घटना की सूचना जैसे ही युवक के परिजनों को मिली तो मेड सीएचसी में कोहराम मच गया। मृतक दो भाई दो बहनें हैं। ग्रामीण भैरूराम गुर्जर व योगेश जांगिड़ ने बताया कि मृतक विकास गुर्जर सबसे बड़ा था। मृतक विकास गुर्जर के परिवार की स्थिति बहुत ही दयनीय है। परिवार कच्चे घर में अपना जीवन-यापन करता है। पुलिस ने घटना के बाद मृतक के शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया साथ मृतक के पिता की रिपोर्ट के आधार पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

पिकअप की टक्कर से युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। दोवड़ा थाना क्षेत्र के पुनाली के पास रविवार शाम बाइक सवार युवक की पिकअप से टक्कर लगने के बाद मौत हो गई। युवक पेट्रोल पंप की ओर बाइक से जा रहा था।

दोवड़ा थाना पुलिस के अनुसार, प्रहलाद सिंह पुत्र पदमसिंह शक्तावत ने रिपोर्ट में बताया गया कि उनके जीजा मदनसिंह पुत्र फतेहसिंह चौहान निवासी टेकला बाइक लेकर गांव जा रहे थे। पुनाली के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपी पिकअप ड्राइवर मौके से फरार हो गया। हादसे में मदनसिंह के हाथ, पैर और सिर पर गंभीर चोटें आईं। उन्हें 108 एंबुलेंस से डूंगरपुर जिला अस्पताल लाया गया, जहां इमरजेंसी डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही दोवड़ा थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को मोर्चरी में रखवाया। सोमवार को पुलिस ने पिकअप ड्राइवर के खिलाफ तेज रफ्तार से वाहन चलाकर दुर्घटना कारित करने का मामला दर्ज किया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है।

खेत में बने पॉण्ड में डूबने से युवक की मौत

निवाई, (निसं)। सोमवार की सुबह गांव जयसिंहपुरा के एक खेत में बने हुए फॉर्म पॉण्ड में डूबने से एक युवक की मौत हो गई।

थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि धर्मराज (20) पुत्र रामावतार रैगर निवासी जामडोली हाल सौरभ विहार कॉलोनी जयसिंहपुरा सोमवार को गांव जयसिंहपुरा में एक खेत पर बने फॉर्म पॉण्ड में नहाने गया था। नहाते समय वह डूब गया। जिसकी सूचना पर पुलिस मौके पर पंहुची और सिविल डिफेंस की टीम को बुलवाया। टीम द्वारा काफी मशकक्त के बाद देर शाम को युवक के शव को फार्म पॉण्ड में से बाहर निकाला। पुलिस ने शव को उप जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है। उन्होंने बताया कि मृतक धर्मराज सोमवार को सुबह बकरियां चराने गया था, जो दोपहर बाद भी घर नहीं लौटा तो उसके परिजन उसको ढूंढते हुए खेतों की तरह पहुंचे। गांव जयसिंहपुरा में स्थित फार्म पॉंड के किनारे उसके कपड़े व मोबाइल मिले। इस पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। उन्होंने बताया कि मृतक धर्मराज के दो छोटे भाई व तीन छोटी बहिनें हैं। धर्मराज सबसे बड़ा था। वह पढ़ाई के साथ मजदूरी का कार्य करता था। उन्होंने बताया कि मंगलवार की सुबह शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

रेप मामले में कार्रवाई नहीं होने से महिला टंकी पर चढ़ी

■ आरोप है कि पुलिस ने महिला की शिकायत पर कार्रवाई नहीं की

भरतपुर, (निसं)। रेप के मामले में कार्रवाई नहीं होने से नाराज एक महिला भरतपुर के मथुरा गेट थाना इलाके में पानी की टंकी पर चढ़ गई। करीब एक घंटे तक पुलिस ने महिला से समझाइश की, जिसके बाद महिला को टंकी से नीचे उतारा गया। उसके बाद पुलिस की टीम आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए थाने से रवाना हुई।

दो महीने से पुलिस महिला की कोई सुनवाई नहीं कर रही थी। 21 अगस्त को महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह मथुरा गेट थाना इलाके की रहने वाली है। रविंद्र मीणा नाम का व्यक्ति उससे दो साल रेप करता आ रहा है। उसके खिलाफ महिला ने मथुरा गेट थाने पर मुकदमा दर्ज करवाया था। समाज के लोगों द्वारा समझाने के बाद महिला ने मुक़दमे में राजीनामा कर लिया गया। उसके बाद भी रविंद्र महिला को परेशान कर रहा है। 21 अगस्त 2025 को रविंद्र ने महिला को फोन किया और कहा कि मुझे मिलना है। जब महिला ने रविंद्र से मिलने को मना कर दिया तो, रविंद्र ने महिला को जान से मारने की धमकी दी। उसी दिन जब महिला घर के जरूरी काम से बाजार जा रही थी तो, रविंद्र ने उसे रास्ते में रोका और महिला को एक होटल में ले गया। होटल की छत पर जाकर रविंद्र ने जबरन महिला को बियर पिलाई और कमरे में ले जाकर उसके साथ रेप करने की कोशिश करने लगा। उसके कुछ दिन बाद रविंद्र ने महिला को रोककर गालियां दी। उसके बाद महिला अपने घर आ गई। उसी रात रविंद्र महिला के घर पहुंचा और उससे गलियां देते हुए उसका अपहरण करने की कोशिश करने लगा। जब महिला के रविंद्र के घर उसकी शिकायत की तो, रविंद्र के परिजनों ने महिला से गालियां दी। महिला ने परेशान होकर इसकी शिकायत मथुरा गेट थाने पर दी लेकिन उस पर भी मथुरा गेट थाने ने कोई कार्रवाई नहीं की, पुलिस ने रविंद्र को शांतिभंग की धारा में बंद कर छोड़ दिया। उसके बाद भी रविंद्र महिला को परेशान करता रहा।जिससे तंग आकर आज महिला मथुरा गेट थाने के पास स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गई। महिला को टंकी पर चढ़ा देख मौके पर काफी लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की सूचना पर मथुरा गेट थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और समझाइश के बाद महिला को टंकी से नीचे उतारा। जिसके बाद तुरंत पुलिस की टीम आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए थाने से रवाना की गई।

भरतपुर विकास प्राधिकरण, भरतपुर
क्रमांक :- लेखा/भ.वि.प्रा./2025-26/14138 दिनांक :- 09/10/2025
ऑनलाईन निविदा सूचना सं. 20/2025-26
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से भरतपुर विकास प्राधिकरण, में उपयुक्त श्रेणी एवं विभिन्न विभागों में E1/EWSD-1 श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से कुल 03 कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।
उक्त कार्यो का विस्तृत विवरण, निविदा शर्ते, अनुमानित लागत राशि, निविदा बेचने, प्राप्त करने एवं खोलने की दिनांक आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.urban.rajasthan.gov.in/uitbharatpur एवं http://sppp.raj.nic.in portal पर देखा जा सकता है।
निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार का संशोधन http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in portal का अवलोकन करें।
UBN विवरण :- WAQ2526WSOB00241, WAQ2526WLOB00242, 00243
राज.संवाद/सी/25/12009 अधिशाषी अभियन्ता (विद्युत)

कार्यालय नगरपरिषद, राजसमन्द
जिला परिषद रोड, राजनगर
टेलिफोन नं. 02952-220034, फेक्स नं. 02952-221233, ई-मेल rajsamandnagarpalika@gmail.com
क्रमांक : एफ( )नपरा/इंजी/ई निविदा/20/2025-26/5515 दिनांक :- 09.10.2025
ई-निविदा सूचना संख्या 20/2025-26
नगर परिषद राजसमन्द द्वारा विकास कार्यो हेतु समस्त विभागों में पंजीकृत संवेदकों, कम्पनी, संगठनों/संस्थानों से ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन तकनीकी व वित्तिय निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड़ की जा सकती है।

निविदा कार्यक्रम	तिथि व समय
कार्य की संख्या	6
कार्यो की अनुमानित लागत	125.10 लाख
निविदा अपलोड की तिथि	09.10.2025 06:00 PM
निविदा डाउनलोड प्रारम्भ तिथि	10.10.2025 09:00 PM
ऑनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि	20.10.2025 06:00 PM
भौतिक रूप से दस्तावेज जमा करने की तिथि	21.10.2025 01:00 PM
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	21.10.2025 04:00 PM
ऑनलाईन निविदा हेतु वेबसाईट	http://eproc.rajasthan.gov.in
दोष निवारण अवधी	नियमानुसार
UBN NO-	DLB2526WSOB21094, 21095, 21096, 21097, 21098 & 21099

राज.संवाद/सी/25/11984 सभापति आयुक्त

'इतने कम समय में 7 लाख करोड़ रूपए के एमओयू ज़मीन पर उतरे, बहुत बड़ी उपलब्धि है'

गृह मंत्री अमित शाह ने 4 लाख करोड़ रूपए के एमओयू का भूमि पूजन किया व कानून प्रदर्शनी का उद्घाटन किया

- केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राइज़िंग राजस्थान ग्लोबल समिट के अंतर्गत बेहतरीन कार्य के लिए मुख्यमंत्री व उनकी टीम की प्रशंसा की।
- मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि नये कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए पुलिस विभाग, न्यायिक अधिकारियों व प्रशासनिक तंत्र को व्यापक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में नए आपराधिक कानूनों पर आधारित भव्य प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

जयपुर, 13 अक्टूबर। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि लोकप्रिय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने प्रदेश के विकास को गति देने के लिए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के अन्तर्गत बेहतरीन काम किया है। समिट में 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हस्ताक्षरित हुए, जिनमें से तीन लाख करोड़ के एमओयू का कार्य पूर्व में धरातल पर शुरू हो चुका है। वहीं, आज लगभग चार लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू से जुड़ी योजनाओं का भूमि पूजन हुआ है। शाह ने कहा कि हम जो कहते हैं, वो करते हैं। मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में इतने कम समय में 7 लाख करोड़ रुपये के एमओयू जमीन पर उतरे हैं। यह बहुत बड़ी उपलब्धि है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को जे ई सी सी सीतापुरा में नए आपराधिक कानूनों पर आधारित भव्य प्रदर्शनी 'नव विधान : न्याय की नई पहचान' का उद्घाटन किया। उन्होंने प्रदर्शनी का गहनता से अवलोकन किया तथा पूरी प्रक्रिया का लाइव डैमो देखा।

अमित शाह ने सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एवं कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में 9 हजार 300 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास व लोकार्पण किया।

उन्होंने प्रदेश के लगभग 40 लाख विद्यार्थियों को यूनिफॉर्म के लिए 240 करोड़ रुपये एवं दुग्ध उत्पादकों को दूध सब्सिडी के 364 करोड़ रुपये की राशि का हस्तान्तरण किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इन नए कानूनों को प्रभावी रूप से लागू करने के क्रम में, पुलिस विभाग, न्यायिक अधिकारियों और प्रशासनिक तंत्र को इन नए कानूनों का व्यापक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि, ये तीन नए कानून स्वतंत्र भारत के इतिहास में क्रांतिकारी कदम हैं। पीड़ितों के अधिकारों को इन कानूनों में प्राथमिकता दी गई है, जिससे पीड़ितों को त्वरित न्याय और सम्मान मिल सकेगा। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए भी इन कानूनों में विशेष प्रावधान किए गए हैं।

उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा ने कहा कि राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा इन नए आपराधिक कानूनों के अन्तर्गत नियम और अधिसूचना जारी करके इनका क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। ये नए कानून केवल दण्ड देने के लिए नहीं, बल्कि समाज को राह दिखाने का माध्यम बनेंगे।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधि मंत्री जोगाराम पटेल, सांसद मदन राठौड़, केन्द्रीय गृह सचिव गोविन्द मोहन, मुख्य सचिव सुधांश पंत, एनसीआरबी निदेशक आलोक रंजन आदि उपस्थित थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बड़ी संख्या में पुलिस कार्मिक भी उद्घाटन कार्यक्रम से जुड़े।

अमेरिका व चीन में ट्रेड वॉर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चीन के कब्ज़े में थे, अपनी जगह बना सकता है। भारत के कई उद्योग अभी से इस अवसर को समझ रहे हैं। वस्त्र और परिधान क्षेत्र, जो देश के सबसे बड़े रोज़गार देने वाले क्षेत्रों में से एक है, को अमेरिकी ऑर्डरों में तेज़ वृद्धि देखने को मिल सकती है, खासकर उन श्रेणियों में, जहाँ अब तक चीन का दबदबा था।

खिलौने और जूते-चप्पल बनाने वाले उद्योगों को भी फायदा होने की उम्मीद है, क्योंकि सस्ते माल की श्रेणी में चीन की बढ़त अब कमज़ोर होती दिख रही है। भारतीय निर्यातक मनु गुप्ता ने बताया कि "टारगैट" जैसे प्रमुख अमेरिकी खुदरा विक्रेता पहले से ही नई उत्पाद श्रृंखलाओं के लिए भारतीय आपूर्तिकर्ताओं से संपर्क कर चुके हैं। इसी तरह, इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू उपकरण, जैसे वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर और छोटे घरेलू सामान बनाने वाले उद्योगों को भी नए ऑर्डर मिलने की संभावना है, क्योंकि अमेरिकी इम्पोर्टर अब चीनी फ़ैक्ट्रियों के विकल्प तलाश रहे हैं। अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में भी, जैसे-जैसे चीन दुर्लभ धातुओं और संबंधित तकनीकों के निर्यात को सीमित कर रहा है, भारतीय सौर पैनल और पवन टरबाइन पुर्ज़े बनाने वाली कंपनियाँ भी अपनी जगह मज़बूत कर सकती हैं।

उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के लिए अब सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वह गुणवत्ता, स्थिरता और समय पर आपूर्ति के मानकों से कोई समझौता न करे। अगर भारतीय निर्माता अंतरराष्ट्रीय स्तर की विश्वसनीयता साबित कर पाए, तो वे मौजूदा टैरिफ अशांति से कहीं आगे तक इन लाभों को सुरक्षित रख सकते हैं।

जहाँ, भारत एक विजेता के रुप में उभर सकता है, वहीं, अन्य अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान उठाना पड़ सकता है। यह व्यापार युद्ध मेक्सिको, कैनडा, जापान, दक्षिण कोरिया और सिंगापुर जैसी अर्थव्यवस्थाओं की आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित कर सकता है, क्योंकि ये देश चीनी मध्यवर्ती वस्तुओं (इन्टरमीडियरी गुड्स) पर बहुत अधिक निर्भर हैं। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जी.टी.आर.आई.) की एक रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि इलेक्ट्रिक वाहन पुर्ज़ों, विंड टरबाइन और सेमीकंडक्टरों की वैश्विक कीमतें तेज़ी से बढ़ सकती हैं, जिससे दुनिया भर में मँहगाई का दबाव और बढ़ जाएगा। भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार वर्ष 2024-25 में 131.84 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया, जिससे अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया है और भारत के कुल निर्यात का लगभग पाँचवाँ हिस्सा अमेरिका को जाता है। मौजूदा टैरिफ वॉर ने इन संबंधों को और मज़बूत करने का अवसर दिया है। दोनों देश जब एक नए द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में काम कर रहे हैं, तो अमेरिकी आपूर्ति श्रृंखला में भारत के शामिल होने की प्रक्रिया और तेज़ हो सकती है, खासकर तब, जब अमेरिकी कंपनियाँ चीन के विकल्प के रुप में राजनीतिक रूप से स्थिर और कम लागत वाले विकल्पों की तलाश में हैं।

अगर भारत इस मौक़े का पूरा लाभ उठाते हुए निर्यात प्रक्रिया को सरल बनाए, बंदरगाहों का ढाँचा सुधारे और निर्यातकों को त्वरित ऋण उपलब्ध कराए, तो अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध भारत के लिए एक बड़ा व्यापारिक वरदान साबित हो सकता है, जो उसके निर्यात क्षेत्र को नया रूप देगा और उसे विश्वसनीय वैश्विक मैनुफैक्चरिंग पार्टनर के रूप में स्थापित करेगा।

अब एनडीए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संभावना है और इसके सदस्य भाजपा या अन्य दलों में शामिल हो जाएंगे। हालांकि, पिछले दो दशकों की सत्ता विरोधी लहर (एंटी-इन्कंबेंसी) के बावजूद, नीतीश कुमार की महिला मतदाताओं और अति पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) में अब भी मजबूत पकड़ है। बड़ी सम्भावना इस बात की भी है कि यदि यह धारणा मजबूत होती है कि कुमार अब मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे, तो इन वर्गों का एनडीए से मोहभंग हो सकता है। बिहार की राजनीति के अनुभवी एवं चतुर खिलाड़ी नीतीश कुमार ने कई बार विपरीत परिस्थितियों से वापसी की है, इसलिए यह कहना मुश्किल है कि आगे चलकर वे कौन-सा ट्रम्प कार्ड खेलेंगे।

सीट शेयरिंग की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव आयोग ने बिहार की 243 विधानसभा सीटों के लिए दो चरणों में मतदान की घोषणा की है जो 6 और 11 नवंबर को होगा। पहले चरण के नामांकन 6 अक्टूबर से और दूसरे चरण के 13 अक्टूबर से शुरू हुए। लेकिन प्रचार शुरू होने से पहले ही एनडीए को खुले विद्रोह से जूझना पड़ रहा है।

एक नाटकीय घटनाक्रम में, जेडीयू के वरिष्ठ मंत्री जय कुमार सिंह ने अपनी ही पार्टी के नेतृत्व पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और मंत्री ललन कुमार सिंह पर टिकट बेचने और वफादार कार्यकर्ताओं की उम्मीदों को नष्ट करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, पार्टी की आत्मा को निजी लाभ के लिए नीलाम किया जा रहा है। नेतृत्व ने गठबंधन गणित के नाम पर अपने कैडर से विश्वासघात किया है।

इधर, भाजपा में भी असंतोष की लहर उठी। केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने खुले मंच से केन्द्रीय शिक्षा मंत्री और बिहार प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान की आलोचना की, उन पर उम्मीदवार चयन में भारी अव्यवस्था का आरोप लगाया। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कई मौजूदा विधायक और पूर्व सांसदों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी शिकायतें नहीं सुनी गई तो वे निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतरेंगे।

आंतरिक संकट ने एनडीए के राज्य और केन्द्रीय नेतृत्व, दोनों को हिला कर रख दिया है। महागठबंधन की बढ़ती गति का मुकाबला करने की उम्मीद कर रहे एनडीए को अब विद्रोह रोकने, नाराज सहयोगियों को मनाने और जन छवि सुधारने जैसी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि यह बगावत एनडीए के भीतर चुनावी संभावनाओं को लेकर गहरी बेचैनी को दर्शाती है। एक वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक ने कहा, गठबंधन में घबराहट के संकेत साफ दिखाई दे रहे हैं। आंतरिक दरारों ने इसकी कमजोरी उजागर कर दी है।

मतदान में अब एक महीने से भी कम समय बचा है और एनडीए के लिए सबसे बड़ी चुनौती विपक्ष से नहीं, बल्कि अपने ही घर के भीतर से उभर रही है।

तेजस्वी यादव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पिछले चुनाव में कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन केवल 17 सीटें जीत पाई थी। इस खराब प्रदर्शन के कारण ही, महागठबंधन सरकार नहीं बना सका था।

सूत्रों का कहना है कि अदालत द्वारा लालू यादव और उनके परिवार के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिये जाने के बाद, कांग्रेस, खासतौर से राहुल गांधी और गांधी परिवार, यादव परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि भाजपा चुनाव प्रचार के दौरान इस मुद्दे का इस्तेमाल तेजस्वी यादव पर हमला करने के लिए करेगी।

अब सीट बंटवारे की औपचारिक घोषणा और तेजस्वी यादव को इंडिया गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के चेहरे के रूप में नामित करने का ऐलान पटना में किया जाएगा, क्योंकि तेजस्वी आज देर शाम वापस बिहार रवाना हो गए हैं।

करुर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को रैली के दौरान भगदड़ हुई थी। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 41 लोगों की मृत्यु और 100 से अधिक लोगों की जान चली गई थी।

शीर्ष अदालत ने टीवीके और पनीरसेल्वम पिचाईमुथु, एस प्रभाकरन, सेल्वराज पी, जी एस मणि तथा अन्य की याचिकाओं पर अपना यह आदेश पारित किया। याचिकाओं में सीबीआई जांच की मांग की गई थी।

हमास ने बीस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में कम से कम बीस देश भाग ले रहे हैं।

कैदियों की अदला-बदली देखने और इज़रायली संसद को संबोधित करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप मिस्र के इस तटीय शहर पहुंचे, जहाँ वे क्षेत्र में स्थायी शांति लाने के लिए आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। इस सम्मेलन में बीस से अधिक देश भाग ले रहे हैं। यह प्रक्रिया निश्चित रूप से लंबी होगी और हर मुद्दे पर सहमति बनाना एक कठिन और समय लेने वाला काम साबित होगा।

तीन विद्वानों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

था। यह परिवार बहुत मुश्किलों से नाज़ी नरसंहार में बच गया था।

फिलिप अघियन एक फ्रांसीसी अर्थशास्त्री हैं जो लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स और पेरिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अध्यापन करते रहे हैं।

पीटर होविट कनाडाई अर्थशास्त्री हैं, जो नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र में पीएचडी प्राप्त करने के बाद विभिन्न विश्वविद्यालय में शिक्षण कार्य कर रहे हैं।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908